लेखाशास्त्र

अध्याय-1: अलाभकारी संस्थाओं के लिए लेखांकन

SHIVOM CLASSES 8696608541

अलाभकारी संस्था

अलाभकारी संस्थाओ से आशय ऐसे संस्थानों से है जिनका प्रयोग सामाजिक कल्याण के लिए होता है तथा जिनका उद्देश्य लाभ से प्रेरित होना नहीं होता है। इनका मुख्य उद्देश्य किसी विशिष्ट समूह या समस्त जनता को सेवाएँ प्रदान करना होता है। आमतौर पर यह किसी प्रकार का उत्पादन , क्रय - विक्रय और उधार लेन - देन नहीं करती। इसीलिए इनको लेखापुस्तकों तथा लाभ - हानि खाता बनाने की आवश्यकता नहीं होती। इन संस्थानों द्वारा बनाई गई निधि पूँजी निधि अथवा सामान्य निधि में जमा की जाती है। इनकी आय का मुख्य स्रोत, इनके सदस्यों से प्राप्त अनुदान अथवा दान , सहायता विनिवेश से प्राप्त आय इत्यादि होती है। प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर यह वित्तीय विवरण तैयार करती है तथा अपनी वित्तीय स्तिथि के लिए आय तथा व्यय विवरण तैयार करती है और उन्हें वैधानिक प्राधिकरण में जमा करवाती है जिसे समिति पंजीकृत कहा जाता है।

अलाभकारी संस्था के मुख्य विशेषताऐ :-

- **सेवा प्रदान :-**

  अलाभकारी संस्था के मुख्य उद्देश्य लाभ कमाना नहीं बल्कि सेवा प्रदान करना होता है,

  अर्थात अलाभकारी संस्था अपने लाभ से नहीं अपितु दूसरे के लाभ के लिए बनाया जाता है,

- **स्थापना :-**

  अलाभकारी संस्था का स्थापना समाज और अपने सदस्यो के द्वारा होता है

  अलाभकारी संस्था की स्थापना समाज तथा अपने सदस्यों की सेवा के लिए की जाती है,

- **खाता :-**

  अलाभकारी संस्था संस्थाओं द्वारा प्राप्ति एवं भुगतान खाता, आय -व्यय खाता तथा तैयार किया जाता है,

- **कार्य :-**

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

अलाभकारी संस्था कला, संस्कृति, धर्म, शिक्षा, खेल खुद प्रसार तथा प्रोत्साहन के लिए कार्य करती है,

- इस प्रकार के संस्था के शुभ परिणाम को अधिकय या कमी के रूप में जाना जाता है,

अलाभकरी संस्था का वित्तीय विवरण या अंतिम खाता :-

अभी तक आप ने जान चुके है की अलाभकरी संस्था (non for profit organization) क्या होता है और इसके विशेषता के बारे मे भी जान चुके है,

तो अब आइये जानते है की अलाभकरी संस्था (non for profit organization) अंतिम खाता मे क्या क्या बनाती है. अलाभकरी संस्था (non for profit organization) को प्रत्येक वर्ष के अंतिम मे अंतिम खाता बनाना अवश्य होता है

और वो इन खाता मे निम्न खाता बनाती है जिसमे से :-

1. प्राप्ति एवं भुगतान खाता (receipt and payment account).
2. आय व्यय खाता (income and expenditure accounts).
3. आर्थिक चिटठा (balance sheet).

साथ है अलाभकरी संस्था को खाता बहियों की शुद्ध जांच पड़ताल के लिए तलपट खाता भी तैयार किया जाता है,

क्योंकि यह खाता प्राप्ति एवं भुगतान खाता, आय व्यय खाता, आर्थिक चिटठा को तैयार करने मे काफ़ी अधिक सहायता करता है,

प्राप्ति-

नकद एवं बैंक से लेन - देन में सभी प्राप्ति को (प्राप्ति खाता) कहते है

जैसे -

- चंदा (Subscriptions)
- हॉल का किराया (Rent Of Hall)

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- निवेश पर ब्याज (Interest On Fixed)
- लॉकर किराया (Locker's Rent)

भुगतान-

नकद एवं बैंक से लेन - देन में सभी भुगतान को (भुगतान खाता) कहते है |

जैसे -

- वेतन एवं मजदूरी (Salaries And Wages)
- विज्ञापन (Advertisement)
- टेलीफोन (Telephonee)
- प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी (Printing And Stationery)

प्राप्ति एवं भुगतान खाता

यह खाता (प्राप्ति एवं भुगतान) नकद तथा बैंक लेनदेन के विभिन्न शीर्षकों का सारांश होता है। प्राप्ति एवं भुगतान खाता एक अवधि के रोकड़ बही के मद सार मात्र से कुछ भी अधिक नहीं है यह खाते का एक ऐसा प्रारूप होता है जिसका अधिकांश प्रयोग क्लबों, संघो तथा समितियों आदि के कोषाध्यक्ष द्वारा वर्ष के कार्य संचालन के परिणामों को प्रस्तुत करने के लिए किया जाता है। यह खाता रोकड़ पद्धति के आधार पर तैयार किया जाता है।

Example-

हॉल का किराया, बागवानी (बगीचा) , सवारी, बैंक शुल्क, निवेश, डाक एवं कुरियर, अंकेक्षण शुल्क, बीमा , समर्थित निधि, स्क्रैप की बिक्री आदि।

प्राप्ति एवं भुगतान खाता की विशेषताएं

1. इस खाते में गैर रोकड़ मद जैसे कि ह्रास, उपार्जित आय आदि नहीं लिखे जाते हैं।
2. यह रोकड़ पद्धति के आधार पर बनाया जाता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

3. इसमें सभी प्राप्तियां चाहे वह आयगत मद की हो या फिर पूंजीगत मद सभी को डेबिट पक्ष में प्रदर्शित किया जाता है।
4. जितने भी भुगतान होते हैं चाहे वह आयगत हो या पूंजीगत मद सभी को क्रेडिट पक्ष में प्रदर्शित किया जाता है।
5. इस खाते की मुख्य विशेषता यह है कि इस खाते के डेबिट भाग में Opening Balance व क्रेडिट भाग में सबसे नीचे Closing लिखना होता है। यह इसका प्रारूप होता है।

प्राप्ति और भुगतान खाते की सीमाएं या दोष

1. इस खाते को लेखांकन के उपार्जन आधार पर तैयार नहीं किया जाता हैं।
2. यह खाता लेखांकन वर्ष के अंत में Surplus या Deficits को प्रदर्शित नहीं करता है।
3. यह लेखांकन वर्ष के आय एवं व्यय के संबंध में किसी भी प्रकार की सूचनाएं प्रदान नहीं करता है यह केवल आय एवं व्यय की नकद राशि की सूचना प्रदान करता है।
4. इससे संस्था की वित्तीय स्थिति का Valuation नहीं किया जा सकता है क्योंकि यह सिर्फ नकद व्यवहारों का ही लेखा प्रकट करता है।
5. प्राप्ति एवं भुगतान खाता में 'Depreciation' को नहीं दिखाया जाता हैं।

प्राप्ति एवं भुगतान खाते में दिखाई जाने वाली मदें

यह खाता में दो पक्ष होता है प्रथम प्राप्ति Receipts Side और दूसरा भुगतान Payment Side । प्राप्ति भाग में दिखाई जाने वाली मदों की सूची है इसे आयगत एवं पूंजीगत प्राप्ति में बांटकर लिखा गया है-

प्राप्ति पक्ष में लिखे जाने वाली मदें –

- आयगत प्राप्ति के अंतर्गत– प्रवेश शुल्क, चंदा, सामान्य दान, निवेश पर ब्याज, ब्याज एवं लाभांश, मनोरंजन से प्राप्त, पुराने कागज की बिक्री , दान सो से प्राप्ति आदि ।
  Entrance fees, Subscription, General Donation, Interest on Investment, Interest and Dividend, Proceeds from Entertainment , Sale of Old Paper, Proceeds from Charity Show etc.

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- पूंजीगत प्राप्ति के अंतर्गत– निवेश का विक्रय, विनियोग, वसीयत, विशेष दान, आजीवन सदस्यता शुल्क, स्थायी संपत्तियों की बिक्री, समर्थित निधि आदि ।

  Sale of Investment, Investment, Special Donation, Life Membership Fees, Sales of Fixed Assets, Endowment Fund etc.

भुगतान पक्ष में दिखाई जाने वाली मदों की सूची

- आयगत भुगतान – सवारी, टेलीफोन, किराया, दर एवं कर, वेतन एवं मजदूरी, बीमा, अंकेक्षण शुल्क, विज्ञापन, मनोरंजन व्यय, समाचार पत्र, जल एवं बिजली, मानदेय, नगर पालिका, नगर निगम कर आदि।

  Conveyance , Telephone , Rent Rates and Taxes, Salaries and Wages, Insurance, Audit fees, Printing and Stationery, Advertisement, Entertainment Expenses, News Paper, Water and Electricity, Honorarium , Municipal, Municipal Corporation Taxes etc.
- पूंजीगत भुगतान – पुरस्कार कोष विनियोग, फिक्स डिपाजिट, पुस्तकों का खरीद, स्थाई संपत्तियों का क्रय फर्नीचर भवन बिल्डिंग आदि ।

  Price Fund Investment, Fixed Deposit, Investment, Purchase of books, Purchase of Fixed Assets Furniture Building etc.

प्राप्ति और भुगतान खाते का प्रारूप-

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्राप्ति एवं भुगतान खाते का प्रारूप

प्राप्ति एवं भुगतान खाता

..... *को समाप्त वर्ष के लिए*

नाम जमा

विवरण	*राशि (₹)*	*विवरण*	*राशि (₹)*
शेष		सम्पत्तियों का क्रय	
नकद		छपाई एवं स्टेशनरी	
बैंक		मरम्मत एवं नवीनीकरण	
दान		समाचार पत्र/पत्रिकाएं	
विरासत में प्राप्त राशि		किराया एवं कर	
सदस्यता शुल्क		डाक व्यय	
प्रवेश शुल्क		निवेश	
चंदा		भाड़ा	
लॉकर किराया		मानेदय	
स्थाई सम्पत्ति का विक्रय		चौरिटी	
निवेश पर ब्याज		बीमा प्रीमियम	
विभिन्न प्राप्तियां		मैदान का रख रखाव	
पुराने पाक्षिकों की बिक्री		टेलीफोन व्यय	
		शेष :	
		रोकड़	
		बैंक	

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्राप्ति एवं भुगतान खाता बनाएं की प्रक्रियाएं : विभिन्न चरण

Step 1, प्रारम्भिक रोकड़ तथा बैंकस्थ रोकड़ (Cash At Bank) ko प्राप्ति तथा भुगतान खाते के डेबिट भाग में लिखे | यदि प्रारम्भिक बैंक अधिविकर्ष (Bank Overdraft) हो तो इसे क्रेडिट भाग में दिखाये

Step 2, सभी प्राप्तियों की राशियां (चाहे पूंजीगत प्रकृति की हो अथवा आयगत) ,इस खाते के डेबिट पक्ष में दिखाये |प्राप्त की गई राशियां भूतकालीन ,चालू अवधि तथा भविष्य की अवधि से सम्बन्धित हो सकती है

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Step 3, सभी व्ययो की राशियां (चाहे पूंजीगत प्रकृति की हो या आयगत की) चाहे भूत, वर्तमान या भविष्य की अवधियों से सम्बन्धित हो क्रेडिट पक्ष में दिखाये

Step 4, स्थाई सम्पत्ति पर ह्रांस , अदत्त व्यायो या अदत्त भुगतानो तथा प्राप्य आयो या उपार्जित आयो से सम्बन्धित किसी भी मद को इसमें न दिखाये क्योंकि इनसे रोकड़ का अन्तर्प्रवाह (Inflow Of Cash) या रोकड़ का बाह्म प्रवाह (Outflow Of Cash) नहीं होता है |

Step 5, प्राप्ति तथा भुगतान खाते के डेबिट भाग का योग करें तथा क्रेडिट भाग की कुल राशियों से इसका अन्तर निकले और अन्तर की क्रेडिट राशि को क्रेडिट भाग में अन्तिम

रोकड़ /बैंक शेष (Closing Balance of Cash/Bank) के रूप में क्रेडिट भाग में दिखाये | यदि क्रेडिट भाग में डेबिट भाग के योग से अधिक हो तो अन्तर की राशि को प्राप्त तथा भुगतान खाते के डेबिट भाग में बैंक अधिविकर्ष (Bank Overdraft) के रूप में लिखा जायेगा |

प्राप्ति एवं भुगतान खाता तथा आय आय-व्यय में अंतर

इन दोनों खाते के बीच निम्नलिखित अंतर पाया जाते हैं-

- प्राप्ति एवं भुगतान खाता एक वास्तविक खाता (Real Account) होता है जबकि आय-व्यय नाममात्र खाता (Nominal Account)होता है।
- इस खाते में प्रारंभ में ही Opening Balance यानी कि Cash in hand तथा Cash at Bank लिखना होता है जबकि आय-व्यय खाता में Opening Balance से शुरुआत नहीं किया जाता हैं। प्रत्येक अवधि के लिए नए सिरे से बनाना होता है।
- यह खाता स्वतंत्र विवरण होता है क्योंकि इसके साथ B/S का होना आवश्यक नहीं होता है लेकिन आय-व्यय खाते के लिए आर्थिक चिट्ठा आवश्यक होता हैं।
- इस खाते के अंत में Cash Balance ज्ञात किया जाता है इस Cash Balance के शेष को अगले लेखांकन वर्ष में ले जाया जाता है लेकिन आय-व्यय खाते के अंत में व्यय पर आय की अधिकता या आय पर व्यय की अधिकता ज्ञात किया जाता है इसे अगले लेखकांन में नहीं ले जाया जाता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- प्राप्ति एवं भुगतान खाते को तैयार करने का मुख्य उद्देश्य सभी नगक प्राप्ति, भुगतान के संबंध में सूचना प्राप्त करना तथा वर्ष के अंत में Cash in hand, Cash at Bank निकालना है जबकि आय-व्यय खाते का मुख्य उद्देश्य सभी आय एवं व्यय/खर्च के संबंध में शुद्ध परिणाम हेतू Surplus व Deficit ज्ञात करना है।

लाभ न कमाने वाली संस्था का स्थिति विवरण तैयार करना

- जो संस्थाएं लाभ नहीं कमाती है उनका आर्थिक चिट्ठा प्राप्ति एवं भुगतान खाता तथा तलपट की सहायता से बनाया जाता है। आर्थिक चिट्ठा वैसे ही बनाया जाता है जिस प्रकार से लाभकारी संस्था द्वारा तैयार किया जाता है।
- तलपट और प्राप्ति एवं भुगतान खाता से Balance Sheet तैयार करते समय कुछ बातों को ध्यान में रखना आवश्यक होता हैं।
- Recepits and Payments Account में प्रदर्शित की गई सूचना में से Closing Balance (Cash in hand, Cash at Bank) को Balance Sheet के संपत्ति पक्ष में लिखेंगे।
- स्थायी संपत्तियों को भी संपत्ति भाग में लिखा जाएगा। उदाहरण – विनियोग, भवन, भूमि, निवेश, फर्नीचर आदि। यदि किसी संपत्ति के राशि में Depreciation का प्रावधान हो तो Depreciation जरूर काट कर लिखें।
- पूंजी कोष को दायित्व भाग में लिखेंगे। इसमें चालू वर्ष के Surplus को Add (+) कर देते हैं और Deficit (–) रहने पर Minius कर दिया जाता है।
- विशेष दान, आजीवन सदस्यता शुल्क, पूंजीगत प्राप्ति आदि को Liabilities Side में दिखाया जाता है इन्हें पूंजी कोष में जोड़ कर दिखाना चाहिए।

प्राप्ति एवं भुगतान खाता बनाने में निहित चरण

- हस्तस्थ रोकड़ तथा बैंक का आरंभिक शेष लीजिए और इसे नाम पक्ष में प्रलेखित कीजिए। वर्ष के आरंभ में बैंक अधिविकर्ष की स्थिति होने पर, इसे इस खाते के जमा पक्ष में प्रलेखित करेंगे।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- सभी प्राप्तियों की कुल राशि को नाम पक्ष में उनकी प्रकृति के अनुसार (चाहे पूँजीगत/आगम) और चाहे वह गत, चालू और आगामी अवधि से संबंधित हो, दर्शाया जाएगा।
- सभी भुगतान की गई राशियों को जमा पक्ष में उनकी प्रकृति के अनुसार (चाहे पूँजीगत/आगम) और चाहे यह गत, चालू और आगामी अवधि से संबंधित हो, दर्शाया जाएगा।
- अप्रर्याप्त आय और देय व्ययों को इस खाते में नहीं दर्शाया जाएगा, जैसे कि यह रोकड़ के अन्तर्गमन और बाह्यगमन से संबंधित नहीं हैं।
- इस खाते के नाम पक्ष और जमा पक्ष के बीच अंतर ज्ञात करें और इसे जमा पक्ष में रोकड़/बैंक के अंतिम शेष के रूप में प्रलेखित करें। यद्यपि जमा पक्ष का योग, नाम पक्ष के योग से ज़्यादा है तो अंतर को बैंक अधिविकर्ष के रूप में नाम करेंगे और खाते को बंद करेंगे।
- पृष्ठ संख्या 4 पर दिए गए दृष्टांत 1 में दी गई रोकड़ पुस्तक से लिए गए आँकड़ों की सूचनाओं के आधार पर 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए गोल्डन क्रिकेट क्लब का प्राप्ति एवं भुगतान खाता इस प्रकार तैयार किया जाएगा।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

रोकड़ पुस्तक का सारांश

विवरण		राशि (रु.)
01 अप्रैल, 2014 को हस्तस्थ रोकड़		20,000
01 अप्रैल, 2014 को बैंकस्थ रोकड़		35,000
चंदा:	रु.	
2013-14	30,000	
2014-15	2,25,000	
2015-16	10,000	2,65,000
भवन के लिए दान		60,000
प्रवेश शुल्क		23,000
आजीवन सदस्यता शुल्क		20,000
छपाई एवं लेखन सामग्री		38,750
प्रकाश		26,250
दरें एवं कर		17,000
दूरभाष प्रभार		2,600
डाक एवं कोरियर		2,000
मजदूरी एवं वेतन		88,000
बीमा प्रीमियम		15,000
सरकारी प्रतिभूतियों पर ब्याज		18,000
लॉकर किराया		42,000
सरकारी प्रतिभूतियों का क्रय		2,00,000
31 मार्च, 2015 को हस्तस्थ रोकड़		23,400
31 मार्च, 2015 को बैंकस्थ रोकड़		70,000

31 मार्च, 2015 वर्ष की समाप्ति पर प्राप्ति एवं भुगतान खाता

प्राप्तियाँ		राशि (रु.)	भुगतान	राशि (रु.)
01 अप्रैल, 2014 को हस्तस्थ रोकड़		20,000	छपाई एवं लेखन सामग्री	38,750
01 अप्रैल, 2014 को बैंकस्थ रोकड़		35,000	प्रकाश	26,250
चंदा :			दरें एवं कर	17,000
2013-14	30,000		दूरभाष प्रभार	2,600
2014-15	2,25,000		डाक एवं कोरियर	2,000
2015-16	10,000	2,65,000	मजदूरी एवं वेतन	88,000
भवन के लिए दान		60,000	बीमा प्रीमियम	15,000
प्रवेश शुल्क		23,000	सरकारी प्रतिभूतियों का क्रय	2,00,000
आजीवन सदस्यता शुल्क		20,000	31 मार्च, 2015 को हस्तस्थ रोकड़	23,400
सरकारी प्रतिभूतियों के निवेश पर ब्याज		18,000	31 मार्च, 2015 को बैंकस्थ रोकड़	70,000
लॉकर किराया		42,000		
		4,83,000		**4,83,000**

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Example:

सिल्वर प्वाइंट से संबंधित दिए गए विवरणों से 31 मार्च, 2012 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता तैयार कीजिए।

प्राप्तियाँ		*राशि (रु.)*	*भुगतान*	*राशि (रु.)*
आरंभिक रोकड़ शेष		1,000	पुराने खेल-कूद के सामान का विक्रय	1,200
आरंभिक बैंक शेष		7,200	पैवेलियन के लिए दान प्राप्ति	4,600
चंदा एकत्रित:	रु.		किराया भुगतान	3,000
2010-11	500		खेल-कूद के सामान का क्रय	4,800
2011-12	7,600		जलपान का क्रय	600
2012-13	900	9,000	टेनिस कोर्ट के रखरखाव पर खर्च	2,000
जलपान का विक्रय		1,000	वेतन भुगतान	2,500
प्रवेश शुल्क प्राप्तियाँ		1,000	प्रतियोगिता व्यय	2,400
			फ़र्नीचर क्रय	1,500
			कार्यालय व्यय	1,200
			अंतिम हस्तस्थ रोकड़	400

सिल्वर प्वाइंट की पस्तकें

प्राप्ति एवं भुगतान खाता

31 मार्च, 2012 वर्ष की समाप्ति पर

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्राप्तियाँ		राशि (रु.)	भुगतान	राशि (रु.)
			जलपान का क्रय	600
शेष आ/ला			किराया	3,000
हस्तस्थ रोकड़		1,000	खेलकूद के सामान का क्रय	4,800
बैंकस्थ रोकड़		7,200	टेनिस कोर्ट के रखरखाव पर व्यय	2,000
चंदा:			वेतन	2,500
2010-11	500		प्रतियोगिता व्यय	2,400
2011-12	7600		फ़र्नीचर क्रय	1,500
2012-13	900	9,000	कार्यालय व्यय	1,200
जलपान का विक्रय		1,000	शेष आ/ले	
प्रवेश शुल्क		1,000	हस्तस्थ रोकड़	400
पुराने खेल-कूद के सामान का विक्रय		1,200	बैंकस्थ रोकड़	6,600
पवेलियन के लिए दान		4,600		
		25,000		**25,000**

आय और व्यय खाता

यह एक लेखा वर्ष के लिए आय और व्यय खाते का सारांश होता है। यह एक व्यापारिक संस्थान द्वारा उपार्जन आधार पर तैयार किए गए लाभ और हानि खाते की तरह ही होता है। इस खाते में केवल आयगत प्रकृति की मदों को शामिल किया जाता है तथा वर्ष के अंत में शेष आधिक्य तथा कमी को दर्शाता है। आय तथा व्यय खाते का उद्देश्य एक व्यापारिक संस्थान के लिए लाभ व हानि खाते की तरह ही होता है। चालू अवधि से संबंधित सभी आयगत मदें इस खाते में दर्शाई जाती हैं। सभी व्यय तथा हानियों को व्यय पक्ष में तथा सभी आय तथा लाभों को आय पक्ष में दर्शाया जाता है। यह निवल प्रचालन परिणाम, अधिशेष के रूप में (आय का व्यय पर आधिक्य) तथा छपाई (व्यय पर आय का आधिक्य) के रूप में दर्शाता है। जो कि तुलन पत्र में दर्शाये गए पूँजी निधि में हस्तांतरित किया जाता है।

आय और व्यय खाते को दिए गए प्राप्ति एवं भुगतान खाते तथा बकाया तथा अग्रिम से संबंधित अतिरिक्त सूचनाएँ, ह्रास इत्यादि की सहायता से उपार्जन क्षमता के आधार पर तैयार किया जाता है इसलिए अनेक मदें जो कि प्राप्ति एवं भुगतान खाते में दर्शायी जाती हैं, को समायोजित करने

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

की आवश्यकता पड़ती है। उदाहरण के लिए : वर्ष 2014-2015 के दौरान प्राप्ति एवं भुगतान खाते में प्राप्ति पक्ष की ओर दर्शायी गई 2,65,000 रु. की राशि में चालू अवधि के अलावा अन्य अवधि से संबंधित प्राप्तियाँ भी सम्मिलित हैं। लेकिन चालू वर्ष से संबंधित 2,25,000 रु. चन्दे की राशि को केवल वर्ष 2014-2015 से संबंधित आय और व्यय खाते के आय पक्ष में दर्शाया जाएगा।

आय और व्यय खाता बनाने में निहित चरण

दिए गए प्राप्ति एवं भुगतान खाते से आय और व्यय खाता बनाने में निम्न चरण सहायता प्रदान करेंगे:

1. प्राप्ति एवं भुगतान खाते को ध्यान से देखें।

2. आरंभिक तथा अंतिम शेष, रोकड़ तथा बैंकस्थ को अलग करें क्योंकि यह आय नहीं है।

3. पूँजीगत प्राप्तियों और पूँजीगत भुगतानों को अलग करें क्योंकि इन्हें तुलन पत्र में दर्शाया जाएगा।

4. आय और व्यय खाते के आय पक्ष में दर्शायी गई आगम प्राप्तियों की ओर ध्यान दें। इनमें से कुछ का समायोजन गतवर्ष और आगामी अवधि से संबंधित राशि को अलग करके तथा चालू वर्ष में अप्राप्य राशियों को सम्मिलित करके किया जाएगा।

5. आगम व्ययों को आय व्यय खाते के आय पक्ष में, अग्रिम प्राप्तियों से तथा अभी तक प्राप्त न हुई हो से संबंधित दी हुई सूचनाओं को समायोजित करके दर्शाएँ।

6. निम्न मदों पर ध्यान दें जो कि प्राप्ति एवं भुगतान खाते में नहीं दर्शायी गई हैं। जो कि आधिक्य एवं घाटा (चालू वर्ष का) निर्धारण करने में \ज़रूरी है।

(अ) स्थायी परिसंपत्तियों पर ह्रास

(ब) संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान; यदि आवश्यक हो

(स) स्थायी परिसंपत्तियों की बिक्री से लाभ या हानि।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

अब आप यह जान सकते हैं कि पृष्ठ संख्या 11 पर दिए गए विवरणों में किस प्रकार दिए गए प्राप्ति एवं भुगतान खाते से आय और व्यय खाता तैयार किया गया है।

31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता

नाम *जमा*

व्यय	*राशि (रु.)*	*आय*	*राशि (रु.)*
छपाई और लेखन सामग्री	38,750	चंदा	2,25,000
प्रकाश	26,250	प्रवेश शुल्क	23,000
दरें और कर	17,000		
दूरभाष व्यय	2,600	सरकारी प्रतिभूतियों के विनियोग	18,000
डाक और कोरियर प्रभार	2,000	पर ब्याज	
मज़दूरी और वेतन	88,000	लॉकर का किराया	42,000
बीमा प्रीमियम	15,000		
आधिक्य (आय का व्यय पर आधिक्य)	1,18,400		
	3,08,000		**3,08,000**

SHIVOM CLASSES 8696608541

टिप्पणी:

1. आरंभिक तथा अंतिम रोकड़/बैंक शेष अलग किया जाएगा।

2. सरकारी प्रतिभूतियों के क्रय पर भुगतान, पूँजीगत भुगतान होने के कारण अलग किया जाएगा।

3. वर्ष 2013-2014 तथा 2015-2016 में प्राप्त चंदे की राशि को अलग किया जाएगा।

4. आजीवन सदस्यता शुल्क एक पूँजीगत प्राप्ति की मद है। अतः इसे अलग किया जाएगा।

5. भवन के लिए दान एक विशिष्ट उद्देश्य हेतु प्राप्ति है। अतः इसे अलग किया जाएगा।

उदाहरण 2

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए, नीचे दिए गए क्लीन दिल्ली क्लब के प्राप्ति एवं भुगतान खाते से आय और व्यय खाता तैयार करें:

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्राप्तियाँ	राशि (रु.)	भुगतान		राशि (रु.)
शेष आ/ला (हस्तस्थ रोकड़)	3,200	वेतन		1,500
चंदा	22,500	किराया		800
प्रवेश शुल्क	1,250	बिजली		3,500
दान	2,500	कर		1,700
हॉल का किराया	750	छपाई और लेखन सामग्री		380
विनियोग का विक्रय	3,000	विविध व्यय		920
		पुस्तकों का क्रय		7,500
		सरकारी बॉण्डस का क्रय		10,000
		बैंक में स्थायी जमा (31.03.2018 को)		5,000
		शेष आ/ला		
		हस्तस्थ रोकड़	400	
		बैंक में रोकड़	1,500	1,900
	33,200			**33,200**

हल

क्लीन दिल्ली क्लब की पुस्तकें 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता

नाम जमा

व्यय	राशि (रु.)	आय	राशि (रु.)
वेतन	1,500	चंदा	22,500
किराया	800	प्रवेश शुल्क	1,250
बिजली	3,500	अनुदान	2,500
कर	1,700	हॉल का किराया	750
छपाई और लेखन सामग्री	380		
विविध व्यय	920		
आधिक्य (आय का व्यय पर आधिक्य)	18,200		
	27,000		**27,000**

उदाहरण 3

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए नीचे दिए गए नेगी क्लब के प्राप्ति एवं भुगतान खाते से, समान अवधि के लिए आय और व्यय खाता तैयार करें:

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

नाम जमा

व्यय		राशि (रु.)	आय	राशि (रु.)
शेष आ/ले (बैंक)		25,000	फ़र्नीचर का क्रय (1.07.2017)	5,000
चंदा:			वेतन	2,000
2016-17	1,500		दूरभाष व्यय	300
2017-18	10,000		बिजली प्रभार	600
2018-19	500	12,000	डाक और लेखन सामग्री	150
दान		2,500	पुस्तकों का क्रय	2,500
हॉल का किराया		300	मनोरंजन व्यय	900
बैंक जमा पर ब्याज		450	5% सरकारी प्रतिभूति का क्रय (1.10.2017)	8,000
प्रवेश शुल्क		500	विविध व्यय	600
			शेष आ/ले	
			बैंक रोकड़	300
				20,400
		40,750		**40,750**

निम्न अतिरिक्त सूचनाएँ उपलब्ध हैं:

(i) बकाया वेतन 1,500 रु.;

(ii) बकाया मनोरंजन व्यय 500 रु.;

(iii) अप्राप्य बैंक ब्याज 150 रु.;

(iv) अर्जित चंदा 400 रु.;

(v) 50% प्रवेश शुल्क को पूँजीकृत करेंगे;

(vi) फ़र्नीचर पर 10% वार्षिक दर से ह्रास लगाएँ।

हल

नेगी क्लब की पुस्तकें 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

नाम

व्यय		राशि (रु.)	आय		राशि (रु.)
वेतन	2,000		चंदा		10,400
जोड़ा: बकाया	1,500	3,500	दान		2,500
दूरभाष व्यय		300	बैंक ब्याज	450	
बिजली प्रभार		600	*जोड़ा:* अप्राप्त ब्याज	150	600
डाक और लेखन सामग्री		150	विनियोग पर ब्याज		200
मनोरंजन व्यय	900		हॉल का किराया		300
जोड़ा: बकाया व्यय	500	1,400			
विविध व्यय		600			
फ़र्नीचर पर ह्रास		375			
आधिक्य (आय का व्यय पर आधिक्य)		7,075			
		14,000			**14,000**

जमा

तुलन पत्र

अलाभकारी संस्थाएँ भी अपनी वित्तीय स्थिति का निर्धारण करने के लिए तुलन पत्र तैयार करती है। उनका तुलन पत्र भी व्यापारिक फर्मों के समान तैयार किया जाता है। यह वर्ष के अंत में परिसंपत्तियों और दायित्वों को दर्शाता है। परिसंपत्तियों को दाएँ पक्ष में तथा दायित्वों को बाएँ पक्ष में दर्शाया जाता है। यद्यपि यहाँ पूँजी के स्थान पर सामान्य निधि/पूँजी निधि होंगे और आय और व्यय खाते में आधिक्य या घाटे को इन निधियों में जोड़ा या घटाया जाएगा। यह एक सामान्य प्रक्रिया है कि कुछ पूँजीगत मदों जैसे - वसीयत, प्रवेश शुल्क और आजीवन सदस्यता शुल्क को प्रत्यक्ष रूप से पूँजी खाते में जोड़ा जाएगा। साथ ही साथ पूँजी या सामान्य निधि, विशिष्ट उद्देश्य पूर्ति हेतु निधि और सहयोगकर्ता/ दानी जैसे कि भवन निधि, खेल निधि, इत्यादि की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बनाए जाते हैं। इन निधियों को तुलन पत्र के दायित्व पक्ष में पृथक रूप से दर्शाया जाता है। कभी-कभी पूँजी/ सामान्य निधियों का आरंभिक शेष ज्ञात करने के लिए वर्ष के आरंभ में तुलन पत्र को बनाना आवश्यक हो जाता है।

तुलन पत्र को तैयार करना

तुलन पत्र को बनाने में निम्न प्रक्रिया को अपनाया जाएगा:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

1. आरंभिक तुलन पत्र के अनुसार पूँजी/ सामान्य निधि को लीजिए और आय और व्यय खाते से प्राप्त आधिक्य को जोड़ें, इसके पश्चात प्रवेश शुल्क, वसीयत, आजीवन सदस्यता शुल्क इत्यादि जो कि वर्ष के दौरान प्राप्त हुई हैं, को जोड़िए।

2. सभी स्थायी परिसंपत्तियों (विक्रय नहीं/ समाप्त की गई/ विनाश हुई) को तथा वर्ष के दौरान खरीदी गई परिसंपत्तियों को जोड़ने (प्राप्ति एवं भुगतान खाते से प्राप्त हुई) के पश्चात ह्रास (आय और व्यय खाते के अनुसार) को घटाकर, उन्हें परिसंपत्ति पक्ष में दर्शाया जाएगा।

3. प्राप्ति एवं भुगतान खाते के प्राप्ति पक्ष की मदों की तुलना आय और व्यय खाते के आय पक्ष की मदों से कीजिए। यह राशि का निर्धारण करेगाः

(अ) प्राप्य चंदा किंतु प्राप्त नहीं।

(ब) अग्रिम प्राप्त आय।

(स) वर्ष के दौरान की गई स्थायी परिसंपत्तियों की बिक्री।

(द) पूँजीकृत की जाने वाली मदें (जैसा कि तुलन पत्र से प्रत्यक्ष रूप से ली गई) उदाहरण के लिए वसीयत, विशिष्ट निधियों के विनियोग पर ब्याज।

4. इसी प्रकार प्राप्ति एवं भुगतान खाते के भुगतान पक्ष के मदों की तुलना आय और व्यय खाते के व्यय पक्ष की मदों से करेंगे। यह राशि का निर्धारण करता है, यदिः

(अ) बकाया व्यय।

(ब) अग्रिम भुगतान व्यय।

(स) वर्ष के दौरान खरीदी गई स्थायी परिसंपत्तियाँ।

(द) स्थायी परिसंपत्तियों पर ह्रास।

(ह) उपभोग योग्य मदों जैसे कि हस्तस्थ लेखन सामग्री का स्टॉक

(फ) हस्तस्थ रोकड़ और बैंक में रोकड़ का अंतिम शेष।

तुलन पत्र बनाने की प्रक्रिया को पूर्ण रूप से जानने के लिए तुलन पत्र प्रारूप नीचे दिया गया है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

..... को तुलन पत्र

दायित्व	राशि (रु.)	परिसंपत्तियाँ	राशि (रु.)
पूँजी निधि:		हस्तस्थ रोकड़/बैंकस्थ रोकड़	.....
आरंभिक शेष	.....	*अप्राप्त आय*	.....
जोड़ा: आधिक्य		*अग्रिम भुगतान व्यय*	.....
या			
घटाया : घाटा			
जोड़ा: चालू वर्ष में आय का पूँजीकरण	.....	*अंतिम शेष*	.....
खातों से :		*उपभोग्य मदों का स्टॉक:*	
वसीयत	.....	पिछला शेष	
प्रवेश शुल्क	.....	*जोड़ा:* चालू अवधि में क्रय	
आजीवन सदस्यता शुल्क	.....	*घटाया:* अवधि के दौरान	
अंतिम शेष	.....	उपभोग का मूल्य	.....
विशेष निधि/ दान		*अंतिम शेष*	.....
पिछला शेष (यदि कोई हो)		*पिछला शेष*	.....
जोड़ा: अवधि के दौरान मदों के लिए		*जोड़ा:* चालू अवधि में क्रय	.....
प्राप्तियाँ	.....	*घटाया:* पुस्तक मूल्य पर	(.....)
जोड़ा: निधियों पर अर्जित		परिसंपत्ति का विक्रय	
आय/अनुदान विनियोग			
निवल शेष	.....		
क्रय के लिए लेनदार	.....		
और/या पूर्ति			
बैंक अधिविकर्ष	.....		
बकाया व्यय:	.....		
अग्रिम प्राप्त आय	.....		
	.....		.....

SHIVOM CLASSES 8696608541

कुछ विशिष्ट मदें

अलाभकारी संस्थाओं के अंतिम खाते, व्यापारिक संगठन के समान प्रणाली की तरह तैयार किए जाते हैं परंतु, इस प्रकार की संस्थाओं में आय और व्यय की कुछ मदों की प्रकृति में अंतर होता है और अंतिम खातों में व्यवहार पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इन संस्थाओं में ये विशिष्ट हैं। कुछ साधारण विशिष्ट मदों को नीचे वर्णित किया गया है:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

चंदाः चंदा सदस्यता शुल्क है जिसका भुगतान सदस्य द्वारा वार्षिक आधार पर किया जाता है। यह इस प्रकार की संस्थाओं में आय का मुख्य स्रोत है। सदस्यों द्वारा भुगतान किया गया चंदा, प्राप्ति एवं भुगतान खाते में प्राप्ति के रूप में और आय और व्यय खाते में आय के रूप में दर्शाया जाता है। यह ध्यान रहे कि प्राप्ति और भुगतान खाता वर्ष के दौरान वास्तव में प्राप्त चंदे की कुल राशि को दर्शाता है जबकि आय और व्यय खातों में दर्शायी गई राशि केवल चालू अवधि से संबंधित राशि को सीमाबद्ध करती है चाहे यह प्राप्त हुई है या नहीं।

उदाहरण के लिए, एक क्लब ने वर्ष 2017-18 के दौरान 20,000 रु. चंदे के रूप में प्राप्त किए, इसमें से 3,000 रु. वर्ष 2016-17 से और 2,000 रु. 2018-19 से संबंधित है और वर्ष 2017-18 के 6,000 रु. अभी तक अप्राप्त हैं। इस स्थिति में प्राप्ति एवं भुगतान खाता चंदे से प्राप्त 20,000 रु. दर्शाएगा। लेकिन आय और व्यय खाता, वर्ष 2017-18 के लिए चंदे से प्राप्त आय के रूप में 21,000 रु. दर्शाएगा। इसकी गणना नीचे दी गई है:

	(रु.)
2017-2018 को प्राप्त चंदा	20,000
घटाया: 2016-2017 वर्ष के लिए चंदा	(3,000)
	17,000
घटाया: वर्ष 2018-2019 के लिए चंदा	(2,000)
	15,000
जोड़ा: वर्ष 2017-2018 के लिए अप्राप्त चंदा	6,000
वर्ष 2017-2018 के लिए चंदे की आय	**21,000**

आय के रूप में दर्शायी गई चंदे की उपर्युक्त राशि का निर्धारण चंदा खाता तैयार करके इस प्रकार किया जाएगाः

चंदा खाता

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

नाम — जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं	राशि (रु.)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं	राशि (रु.)
	शेष आ/ला (वर्ष के आरंभ में अप्राप्त)		3,000		शेष आ/ला (पिछले वर्ष में अग्रिम प्राप्त)		–
	आय और व्यय खाता (शेष राशि)		21,000		रोकड़ (प्राप्त चंदा)		20,000
	शेष आ/ले (अग्रिम प्राप्त)		2,000		शेष आ/ले (वर्ष के अंत में अप्राप्त)		6,000
			26,000				**26,000**

उदाहरण

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए, प्राप्ति भुगतान खाते के अनुसार प्राप्त चंदा 2,50,000 रु. है। अतिरिक्त सूचनाएँ इस प्रकार हैं:

1. 01 अप्रैल, 2017 को अप्राप्त चंदा 50,000 रु.

2. 31 मार्च, 2018 को अप्राप्त चंदा 35,000 रु.

3. 01 अप्रैल, 2017 को अग्रिम प्राप्त चंदा 25,000 रु.

4. 31 मार्च, 2018 को अग्रिम प्राप्त चंदा 30,000 रु.

वर्ष 2017-2018 के लिए चंदे से आय की राशि का निर्धारण करें और आरंभिक और अंतिम तुलन पत्र में चंदे से संबंधित मदों को किस प्रकार दर्शाया जाएगा, दिखाइए।

हल

विवरण	राशि (रु.)
प्राप्ति और भुगतान खाते के अनुसार प्राप्त चंदा	2,50,000
जोड़ा: 31 मार्च, 2018 को अप्राप्त चंदा	35,000
जोड़ा: 01 अप्रैल, 2017 को अग्रिम प्राप्त चंदा	25,000
	3,10,000
घटाया: 01 अप्रैल, 2017 को अप्राप्त चंदा	(50,000)
	2,60,000
घटाया: 31 मार्च, 2018 को अग्रिम प्राप्त चंदा	(30,000)
वर्ष 2017-2018 के लिए चंदे से आय	**2,30,000**

विकल्प के रूप में, चंदे से प्राप्त आय की गणना चंदा खाता तैयार करके निम्न होगी:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

चंदा खाता

नाम *जमा*

विवरण	*राशि (रु.)*	*विवरण*	*राशि (रु.)*
शेष आ/ला (अप्राप्त)	50,000	शेष आ/ला (अग्रिम)	25,000
आय और व्यय खाता (शेष राशि)	2,30,000	प्राप्ति भुगतान खाता	2,50,000
शेष आ/ले (अग्रिम)	30,000	शेष आ/ला (अप्राप्त)	35,000
	3,10,000		**3,10,000**

चंदे से संबंधित मदों को आरंभिक और अंतिम तुलन पत्र में निम्न प्रकार दर्शाएँगे:

31 मार्च, 2017 को तुलन पत्र (संबंधित मदें)

दायित्व	*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि (रु.)*
अग्रिम प्राप्त चंदा	25,000	अप्राप्त चंदा	50,000

केवल संबंधित आँकड़े

मार्च 31, 2018 को तुलन पत्र (संबंधित आँकड़े)

दायित्व	*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि (रु.)*
अग्रिम प्राप्त चंदा	30,000	अप्राप्त चंदा	35,000

केवल संबंधित आँकड़े

उदाहरण

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाते से ली गई सूचनाएँ नीचे दी गई हैं:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

चंदा	(रु.)
प्राप्ति	
2015-16	2,500
2016-17	26,750
2017-18	1,000
	30,250
अतिरिक्त सूचनाएँ	
सदस्यों की कुल संख्या	230
वार्षिक सदस्यता शूल्क	125
01 अप्रैल, 2015 को अप्राप्त चंदा	2,750

आय, अग्रिम, अप्राप्त चंदे से संबंधित मदों को दर्शाते हुए विवरण तैयार करें।

हल-

वर्ष 2015-16 में प्राप्त होने वाले चंदे की राशि रोकड़ से संबंधित 28,750 रु. (अर्थात 125×230 रु.)

विवरण	*राशि* (रु.)
प्राप्ति और भुगतान खाते के अनुसार प्राप्त चंदा	30,250
जोड़ा: 31 मार्च 2016 को अप्राप्त चंदा	2,250
जोड़ा: 1 अप्रैल 2015 को प्राप्त अग्रिम चंदा	–
	32,500
घटाया: 01 अप्रैल 2017 को अप्राप्त चंदा	2,750
	29,750
घटाया: 31 मार्च, 2016 को अग्रिम प्राप्त चंदा	1,000
वर्ष 2015-16 के लिए चंदे से आय (125 × 230)	**28,750**

टिप्पणी: 01 अप्रैल, 2017 को अप्राप्त चंदे की राशि का निर्धारण इस प्रकार किया जाएगा:

विवरण	(रु.)	(रु.)
(i) 01 अप्रैल, 2015 को अप्राप्त	2,750	
2014-15 के लिए प्राप्त	2,500	250
(ii) 2015-16 के लिए प्राप्य (125 × 230)	28,750	
2016-17 के लिए प्राप्त	26,750	2,000
31 मार्च, 2016 को अप्राप्त		**2,250**

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उदाहरण

प्राप्ति एवं भुगतान खाते के लिए दिए गए अंशों से, और नीचे दी गई अतिरिक्त सूचनाओं द्वारा, चंदे से आय की राशि की गणना करें तथा यह दर्शायें की 31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते में किस प्रकार दर्शाया जाएगा और इस तिथि का तुलन पत्र बनाइए।

31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता

प्राप्ति		*राशि (रु.)*	*भुगतान*	*राशि (रु.)*
चंदा:				
2013-14	7,000			
2014-15	30,000			
2015-16	5,000	**42,000**		

अतिरिक्त सूचनाएँ:

	(रु.)
1. 31 मार्च, 2014 को अप्राप्त चंदा	8,500
2. 31 मार्च, 2015 को कुल अप्राप्त चंदा	18,500
3. 31 मार्च, 2014 को अग्रिम प्राप्त चंदा	4,000

हल

31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता

व्यय	*राशि (रु.)*	*आय*	*राशि (रु.)*
		चंदा 2014-15 के लिए प्राप्त	30,000
		जोड़ा: 2014-15 के लिए अप्राप्त	17,000
		जोड़ा: 2015-16 के लिए अग्रिम प्राप्त	4,000
			51,000

टिप्पणी: 31 मार्च 2015 को कुल अप्राप्त चंदे की राशि 18,500 रु. है, इसमें 2013-14 के लिए अप्राप्त चंदे की राशि 1,500 रु. (8,500 रु. - 7,000 रु.) सम्मिलित है। इसलिए 2014-15 के लिए अप्राप्त चंदे की राशि 17,000 रु. (18,500 रु. - 1,500 रु.) होगी।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

31 मार्च, 2015 को तुलन पत्र (संबंधित आँकड़े)

दायित्व	*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*		*राशि (रु.)*
2014-15 के लिए अग्रिम प्राप्त चंदा	5,000	अप्राप्त चंदा:		
		2013-14	1,500	
		2014-15	17,000	18,500

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 53 - 66)

लघु उत्तरीय प्रश्न:

प्रश्न 1 अलाभकारी संस्थाओं का आशय स्पष्ट कीजिये।

उत्तर – अलाभकारी संस्थाओं का आशय अलाभकारी संस्थाओं से आशय ऐसे संस्थानों से है जिनका प्रयोग सामाजिक कल्याण के लिए होता है तथा जिनका निर्माण धर्मार्थ संस्थानों, जिनका उद्देश्य लाभ से प्रेरित नहीं होता, के रूप में किया जाता है। इनका मुख्य उद्देश्य किसी विशिष्ट समूह या समस्त जनता को सेवाएँ प्रदान करना होता है।

आमतौर पर यह किसी प्रकार का उत्पादन, क्रय या वस्तुओं का विक्रय और किसी प्रकार का उधार लेन-देन नहीं करती। इसलिए इन्हें लेखा पुस्तकों (जैसा कि व्यापार से सम्बन्धित) और व्यापारिक और लाभ तथा हानि खाता बनाने की आवश्यकता नहीं होती। आमतौर पर इनकी आय का मुख्य स्रोत, इसके सदस्यों से प्राप्त अनुदान तथा दान, सहायता विनिवेश से प्राप्त आय इत्यादि हो सकता है।

प्रश्न 2 प्राप्ति एवं भुगतान खाते का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर – प्राप्ति एवं भुगतान खाते (Receipt and Payment A/c) का अर्थ - प्राप्ति एवं भुगतान खाता रोकड़ तथा बैंक के लेन-देन के विभिन्न शीर्षकों का सारांश होता है। अलाभकारी संस्थाओं को यह खाता बनाना आवश्यक होता है। यह एक लेखा वर्ष के अन्त में रोकड़ प्राप्तियों तथा नक़द भुगतानों को रोकड़ बही में प्रलेखन के आधार पर तैयार किया जाता है।

उदाहरणार्थ, भिन्न-भिन्न तिथियों को सदस्यों से प्राप्त किया गया चंदा, जो कि रोकड़ पुस्तक में नाम पक्ष की ओर दर्शाया जाता है, को प्राप्ति एवं भुगतान खाते में एक मद के रूप में इसकी कुल राशि से प्राप्ति पक्ष में दर्शाया जाएगा।

इसी प्रकार वेतन, किराया, बिजली का बिल भुगतान के जो कि समय-समय पर किए जाते हैं, को रोकड़ बही में जमा पक्ष की ओर प्रलेखित किया जाता है परन्तु कुल भुगतान वेतन, कुल भुगतान किराया तथा कुल भुगतान विद्युत प्रभार, जो एक वर्ष के दौरान भुगतान किए गए हैं, को प्राप्ति एवं भुगतान खाते के भुगतान पक्ष की ओर प्रकट किया जाएगा।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

इसलिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता विभिन्न प्राप्तियों एवं भुगतानों चाहे वह चालू अवधि से सम्बन्धित हों या पूर्व अवधि या आगामी अवधि से सम्बन्धित पूँजीगत या आयगत प्रकृति के हों, को सारांश के रूप में प्रस्तुत करता है। यह खाता कोई गैर-मद, जैसे ह्रास की राशि को नहीं दर्शाता है। इसके प्रारम्भ में प्रारम्भिक रोकड़ व बैंक शेष (अथवा बैंक अधिविकर्ष) तथा अन्त में अन्तिम रोकड़ से बैंक शेष दिखाये जाते हैं।

प्रश्न 3 आय और व्यय खाते का अर्थ स्पष्ट कीजिये।

उत्तर – आय और व्यय खाते (Income and Expenditure Ac) का अर्थ - आय और व्यय खाता अलाभकारी संस्थाओं द्वारा बनाया जाता है। यह एक लेखा वर्ष के लिए आय और व्यय का सारांश होता है। यह एक व्यापारिक संस्थान द्वारा उपार्जन आधार पर तैयार किए गए लाभ और हानि खाते की तरह ही होता है। इस खाते में केवल आयगत प्रकृति की मदों को शामिल किया जाता है तथा वर्ष के अन्त में शेष आधिक्य' (Surplus) अथवा 'कमी' (Deficit) को दर्शाता है।

आय तथा व्यय खाते का उद्देश्य एक व्यापारिक संस्थान के लिए लाभ व हानि खाते की तरह ही होता है। चालू अवधि से सम्बन्धित सभी आयगत मदें इस खाते में दर्शाई जाती हैं। सभी व्यय तथा हानियों को व्यय पक्ष में तथा सभी आय तथा लाभों को आय पक्ष में दर्शाया जाता है। यह निवल प्रचालन परिणाम, अधिशेष (Surplus) के रूप में (आय का व्यय पर आधिक्य) तथा घाटा/कमी (Deficit) (व्यय का आय पर आधिक्य) के रूप में दर्शाता है जो कि तुलन पत्र में दर्शाये गए पूँजी निधि में हस्तान्तरित किया जाता है।

प्रश्न 4 प्राप्ति और भुगतान खाते के उद्देश्य क्या हैं?

उत्तर – प्राप्ति और भुगतान खाते के उद्देश्य:

- प्राप्ति और भुगतान खाता अलाभकारी संस्थाओं के लिए बनाना आवश्यक है।
- यह आय और व्यय खाता तथा तुलन पत्र तैयार करने में सहायता करता है।
- इसके द्वारा विभिन्न मदों से कुल प्राप्ति एवं भुगतान की राशि की जानकारी मिलती है।
- सभी आयगत एवं पूँजीगत भुगतान तथा प्राप्ति की सूची उपलब्ध होती है।
- इससे प्रारम्भिक हस्तस्थ रोकड़ एवं बैंकस्थ रोकड़ अथवा अधिविकर्ष तथा अन्तिम हस्तस्थ रोकड़ एवं बैंकस्थ रोकड़ अथवा अधिविकर्ष की भी जानकारी मिलती है।

प्रश्न 5 प्राप्ति और भुगतान खाते से आय और व्यय खाता बनाने के लिए कौन - कौनसे चरण हैं?

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर – प्राप्ति और भुगतान खाते से आय और व्यय खाता बनाने के मुख्य चरण निम्न प्रकार हैं।

- प्राप्ति व भुगतान खाते में दिखाये गये प्रारम्भिक व अन्तिम रोकड़ व बैंक शेष को अलग कर लेंगे। आय और व्यय खाते में इसका उपयोग नहीं करते हैं।
- प्राप्ति व भुगतान खाते में दिखाये गये पूँजीगत प्राप्तियाँ व पूँजीगत भुगतान इसमें नहीं दिखाते हैं, इन्हें चिट्ठे में दिखाया जाता है। अतः इन्हें भी अलग कर लेंगे।
- आय और व्यय खाते में केवल आयगत मदों को ही दिखाया जाता है जो चालू वर्ष से सम्बन्धित होती हैं तथा उसमें बकाया व अग्रिम का समायोजन किया जाता है जो अतिरिक्त सूचना के रूप में उपलब्ध होती हैं।
- निम्नांकित मदें जो प्राप्ति व भुगतान खाते में नहीं दिखायी जाती हैं उन्हें आय-व्यय खाते में दिखाया जाता।
- स्थायी सम्पत्तियों पर मूल्य ह्रास (व्यय पक्ष में)।
- स्थायी सम्पत्तियों की बिक्री से लाभ (आय पक्ष में)।
- स्थायी सम्पत्तियों की बिक्री से हानि (व्यय पक्ष में)।
- यदि अलाभकारी संस्था कोई व्यापारिक क्रिया भी करती है जैसे अस्पताल द्वारा दवाओं का विक्रय तो ऐसी दशा में प्रत्येक व्यापारिक क्रिया के लिए पृथक्-पृथक् व्यापार व लाभ-हानि खाता बनाया जाता है तथा उस में दिखाये गये लाभ-हानि को आय-व्यय खाते में स्थानान्तरित किया जाता है।
- उपभोग योग्य सामग्री के उपभोग की राशि आय-व्यय खाते के नामे में दिखाते हैं।
- विशिष्ट कोष की राशि से अधिक उससे सम्बन्धित व्यय हो तो वह भी आय व्यय खाते के नामे में दिखायेंगे।
- अन्य सूचनाओं में जो भी समायोजन दिए जाते हैं उन्हें समायोजित कर आय-व्यय खाते के संबंधित पक्ष में दिखा दिया जाता है।

प्रश्न 6 चंदा क्या है? इसकी गणना किस प्रकार की जाती है?

उत्तर – **चंदा (Subscription):** चंदा सदस्यता शुल्क है जिसका भुगतान सदस्य द्वारा वार्षिक आधार पर किया जाता है। यह अलाभकारी संस्थाओं में आय का मुख्य स्रोत है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

सदस्यों द्वारा भुगतान किया गया चंदा, प्राप्ति एवं भुगतान खाते में प्राप्ति के रूप में और आय और व्यय खाते में आय के रूप में दर्शाया जाता है। यह ध्यान रहे कि प्राप्ति और भुगतान खाता वर्ष के दौरान वास्तव में प्राप्त चंदे की कुल राशि को दर्शाता है जबकि आय और व्यय खातों में दर्शायी गई राशि केवल चालू अवधि से सम्बन्धित राशि को सीमाबद्ध करती है चाहे यह प्राप्त हुई है या नहीं। चंदे की गणना निम्न प्रकार की जाती है।

Calculation of Subscription

Dr. **Income and Expenditure Account for the year ended…** **Cr.**

Expenditure	₹	Income	₹	₹
		By Subscription	xxx	
		Less: Subscription for the previous year	xxx	
			xxx	
		Less: Subscription for the subsequent year	xxx	
			xxx	
		Add: Outstanding subscription for the current year	xxx	
			xxx	
		Add: Received in advance during the previous year for the current year	xxx	xxx

Balance sheet as on …

Liabilities	₹	Assets	₹
		Outstanding subscription for the:	
Subscription received in advance		current year	xxx
for the subsequent year	xxx	previous year	xxx

प्रश्न 7 पूँजी निधि क्या है? इसकी गणना किस प्रकार की जाती है?

उत्तर – **पूँजी निधि (Capital Fund):** अलाभकारी संस्थाओं का उद्देश्य लाभ अर्जित करना न होकर सामाजिक, साहित्यिक, धार्मिक, शैक्षणिक प्रवृत्तियों को प्रोत्साहित करना होता है। अतः व्यापारिक संस्थाओं की तरह इनका निर्माण पूँजी के साथ नहीं होता है। ये संस्थायें धीरे-धीरे अपनी आय की बचत से कुछ स्थायी सम्पत्तियाँ प्राप्त कर लेती हैं और इस प्रकार अपनी पूँजी का निर्माण कर लेती हैं जिसे संस्था का पूँजी कोष अथवा पूँजी निधि कहते हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

पूँजी कोष की गणना: किसी भी संस्था का पूँजी कोष उसकी सम्पत्तियों का उसके दायित्वों पर आधिक्य के आधार पर ज्ञात किया जाता है।

प्रश्न में प्रारम्भिक पूँजी कोष न होने पर इसे निम्न सूत्र द्वारा ज्ञात किया जाता है।

प्रारम्भिक पूँजी कोष = वर्ष के प्रारम्भ की कुल सम्पत्तियाँ - वर्ष के प्रारम्भ के कुल दायित्व अन्तिम पूँजी कोष = प्रारम्भिक पूँजी कोष + आधिक्य - घाटा।

अलाभकारी संस्थायें पूँजी कोष पूँजीगत प्रवेश शुल्क से, पूँजीगत आजीवन सदस्यता शुल्क से, सरकार व अन्य संस्थाओं से प्राप्त अनुदान से, विशेष उद्देश्य हेतु बनाये गये कोष से, विशिष्ट उद्देश्य हेतु प्राप्त दान से प्राप्त करती हैं। आय - व्यय खाते में आधिक्य होने पर उसे भी पूँजी निधि में जोड़ा जाता है। इससे भी पूँजी कोष में वृद्धि होती है।

निबन्धात्मक प्रश्न:

प्रश्न 1 कथन स्पष्ट कीजिए: "प्राप्ति एवं भुगतान खाता, रोकड़ बही का सारांश है।"

उत्तर – प्राप्ति एवं भुगतान खाता रोकड़ बही का सारांश होता है: प्राप्ति एवं भुगतान खाते में समस्त प्राप्तियों एवं भुगतानों को लिखा जाता है । अलाभकारी संस्थाओं द्वारा नकद लेन-देन का लेखा करने के लिए रोकड़ बही की सहायता से समय-समय पर इस खाते को बनाया जाता है। यह एक स्मरणार्थ खाता होता है अर्थात् यह दोहरा लेखा प्रणाली पर आधारित नहीं है। इस खाते में वर्ष के दौरान प्राप्तियों व भुगतानों को मदानुसार लिखा जाता है। इसके डेबिट पक्ष में रोकड़ का प्रारम्भिक शेष तथा विभिन्न प्राप्तियों की मदें तथा क्रेडिट पक्ष में वर्ष में किये गये भुगतानों की राशियाँ एवं रोकड़ का अन्तिम शेष दिखाया जाता है।

रोकड़ बही में नकद व बैंक लेनदेनों का लेखा प्रतिदिन या तिथिवार किया जाता है अर्थात् जितनी बार नकद राशि प्राप्त होती है या भुगतान की जाती है उतनी ही बार रोकड़ बही में इनका लेखा किया जाता है। जैसे - विभिन्न तिथियों को सदस्यों से प्राप्त चंदा, प्राप्त किराया, प्रवेश शुल्क को रोकड़ बही में डेबिट पक्ष में दर्शाया जाता है परन्तु प्राप्ति व भुगतान खाते के प्राप्ति पक्ष में वर्ष (लेखा अवधि) के दौरान प्राप्त कुल चंदा, कुल प्राप्त किराया व कुल प्रवेश शुल्क मदवार दिखाया जाता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

इसी प्रकार विभिन्न तिथियों को चुकाया गया वेतन, किराया आदि रोकड़ बही के क्रेडिट पक्ष में लिखा जाता है परन्तु वर्ष (या लेखा अवधि) के दौरान चुकाया गया कुल वेतन, कुल किराया मदवार प्राप्ति एवं भुगतान खाते के भुगतान पक्ष में दर्शाया जायेगा।

प्राप्ति एवं भुगतान खाते में आयगत एवं पूँजीगत दोनों प्रकार की प्राप्ति एवं भुगतानों को लिखा जाता है। इस खाते में गैर रोकड़ मदों (जैसे - ह्रास, बकाया व्यय, पूर्वदत्त व्यय) आदि का लेखा नहीं किया जाता है। चालू वर्ष में समस्त प्राप्त राशि एवं भुगतान की रकमें इस खाते में दिखायी जाती हैं, चाहे वे इस वर्ष से अथवा गत वर्ष से या आगामी वर्ष से सम्बन्धित हों।

प्राप्ति एवं भुगतान खाते का प्रारम्भिक शेष हस्तस्थ रोकड़ / बैंकस्थ रोकड़ को प्रदर्शित करता है तथा इन्हें प्राप्ति पक्ष में दर्शाया जाता है। प्राप्ति एवं भुगतान खाते का अन्तिम शेष वर्ष के अन्त में रोकड़ व बैंक का शेष दर्शाता है जिसे प्राप्ति एवं भुगतान खाते के भुगतान पक्ष की ओर दर्शाया जाता है। अन्त में बैंक अधिविकर्ष होने पर इसे डेबिट पक्ष में दर्शाया जायेगा। उपर्युक्त विवेचन से यह स्पष्ट हो जाता है कि "प्राप्ति और भुगतान खाता रोकड़ बही का सारांश है।' प्राप्ति एवं भुगतान खाते की सहायता से आय-व्यय खाता व चिट्ठा भी बनाया जा सकता है तथा रोकड़ बही पर नियंत्रण किया जा सकता है।

प्रश्न 2 "अलाभकारी संस्थाओं का आय-व्यय खाता, व्यापारिक प्रतिष्ठानों के लाभ-हानि खाते के समान होता है।" कथन की विवेचना कीजिए।

उत्तर – अलाभकारी संस्थाओं का आय और व्यय खाता व्यापारिक प्रतिष्ठानों के लाभ-हानि खाते के समान होता है-अलाभकारी संस्थाओं द्वारा अपनी आय व व्यय की स्थिति ज्ञात करने हेतु लेखा वर्ष के अन्त में आय-व्यय खाता उपार्जन आधार पर बनाया जाता है, जो कि व्यापारिक प्रतिष्ठानों के लाभ-हानि खाते के समान होता है। इसे निम्न बिन्दुओं के आधार पर स्पष्ट किया जा सकता है।

1. आय और व्यय खाते के डेबिट पक्ष में लेखा वर्ष के आयगत व्ययों को दिखाया जाता है चाहे उनका भुगतान हुआ हो अथवा नहीं। लाभ-हानि खाते के डेबिट पक्ष में भी लेखा वर्ष के आयगत व्ययों को दिखाया जाता है।

2. आय और व्यय खाते के क्रेडिट पक्ष में व लाभ-हानि खाते के क्रेडिट पक्ष में लेखा वर्ष की आयगत आयों को दिखाया जाता है चाहे वह प्राप्त हुई हो अथवा नहीं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

3. आय और व्यय खाते व लाभ-हानि खाते दोनों को ही तैयार करते समय बकाया व्यय, पूर्वदत्त व्यय, उपार्जित आय, अनुपार्जित आय, ह्रास आदि का समायोजन किया जाता है।

4, आय और व्यय खाते व लाभ-हानि खाते दोनों में ही पूँजीगत प्राप्तियों व भुगतानों का लेखा नहीं किया जाता है।

5. आय और व्यय खाते को बनाने के वही नियम हैं जो लाभ-हानि खाते को बनाने में हैं। जैसे- सभी खर्चों व हानियों को डेबिट करो व सभी आयों व लाभों को क्रेडिट करो।

6. दोनों ही खातों में प्रारम्भिक व अन्तिम शेष नहीं होते हैं।

7. दोनों ही खाते लेखा वर्ष के अन्त में चालू वर्ष के लिए विभिन्न समायोजनों को ध्यान में रखकर बनाये जाते हैं।

8. आय और व्यय खाते का क्रेडिट पक्ष का योग डेबिट पक्ष के योग से अधिक होने पर आधिक्य/बचत (Surplus) होती है। लाभ-हानि खाते में क्रेडिट पक्ष का योग डेबिट पक्ष के योग से अधिक होने पर शुद्ध लाभ होता।

9. आय और व्यय खाते का डेबिट पक्ष का योग क्रेडिट पक्ष के योग से अधिक होने पर घाटा (Deficit) होता है। ठीक उसी प्रकार लाभ-हानि खाते में डेबिट पक्ष का योग क्रेडिट पक्ष के योग से अधिक होने पर शुद्ध हानि होती है। उपर्युक्त बिन्दुओं से यह स्पष्ट है कि अलाभकारी संस्थाओं का आय और व्यय खाता, व्यापारिक प्रतिष्ठानों के लाभ-हानि खाते के समान होता है।

प्रश्न 3 प्राप्ति एवं भुगतान खाता तथा आय और व्यय खाते में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर – प्राप्ति एवं भुगतान खाता तथा आय और व्यय खाते में अन्तर (Differences between Receipts and Payments Account and Income & Expenditure Account):

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

अंतर का आधार	प्राप्ति एवं भुगतान खाता	आय एवं व्यय खाता
1. प्रकृति	यह नकद और बैंक लेनदेन का सारांश है।	यह वर्तमान वर्ष की आय और व्यय का सारांश है।
2. राजस्व और पूंजी	यह राजस्व और पूंजी दोनो प्रकृति से संबंधित लेनदेन को दर्ज करता है।	यह केवल राजस्व से संबंधित लेनदेन को दर्ज करता है।
3. अवधि	गत और आगामी अवधि से भी संबंधित प्राप्तियां एवं भुगतान।	केवल चालू अवधि से संबंधित आय और व्यय की मदें।
4.नाम पक्ष	इस खाते के नाम पक्ष में प्राप्तियों का अभिलेखन किया जाता है।	इस खाते के नाम पक्ष में व्ययों और हानियों का अभिलेखन किया जाता है।
5.जमा पक्ष	इस खाते के जमा पक्ष में भुगतानों का अभिलेखन किया जाता है।	इस खाते के जमा पक्ष में आय और अभिलाभों का अभिलेखन किया जाता है।
6.ह्रास	इसमें ह्रास सम्मिलित नही किया जाता है।	इसमें ह्रास सम्मिलित किया जाता है।
7.आरंभिक शेष	आरंभिक शेष हस्तस्थ रोकड़/बैंकस्थ रोकड़ या आरंभिक अधिविकर्ष को दर्शाता है।	इसका आरंभिक शेष नही होता है।
8.अंतिम शेष	अंतिम शेष अंत में हस्तस्थ रोकड़ तथा बैंक शेष को दर्शाता है।	अंतिम शेष आय का व्यय पर आधिक्य या इसके विपरित स्थिति को दर्शाता है।

प्रश्न 4 आय और व्यय खाता तथा प्राप्ति एवं भुगतान खाते की आधारभूत विशेषताओं (features) को स्पष्ट कीजिये।

उत्तर – आय और व्यय खाता की आधारभूत विशेषताएँ (Basic Features of Income and Expenditure A/c):

- **प्रकृति:** यह लाभ व हानि खाते के समान होता है।
- **मदों की प्रकृति:** यह केवल आगम प्रकृति के आय और व्यय का अभिलेखन करता है।
- अवधि केवल चालू अवधि से सम्बन्धित आय और व्यय की मदें इसमें दिखाई जाती है। चाहे वह प्राप्त हुई हो या नहीं अथवा वह भुगतान किया हो अथवा नहीं।
- **नाम पक्ष:** इस खाते के नाम पक्ष में व्ययों और हानियों का अभिलेखन किया जाता है।
- **जमा पक्ष:** इस खाते के जमा पक्ष में आय और अभिलाभों का अभिलेखन किया जाता है।
- **ह्रास:** इसमें ह्रास सम्मिलित किया जाता है।
- **आरम्भिक शेष:** इसका आरम्भिक शेष नहीं होता है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- **अन्तिम शेष:** अन्तिम शेष आय का व्यय पर आधिक्य या इसके विपरीत स्थिति को दर्शाता है।

प्राप्ति एवं भुगतान खाता की आधारभूत विशेषताएँ (Basic Features of Receipts and Payments A/C):

(1) रोकड़ पुस्तक का सारांश यह रोकड़ पुस्तक का सारांश है। इसका प्रारूप सामान्य रोकड़ पुस्तक (बट्टा और बैंक स्तम्भ के बिना) नाम और जमा पक्ष सहित, के समान है। प्राप्तियाँ नाम पक्ष में दर्ज की जाती हैं, जबकि भुगतान जमा पक्ष में दर्ज होते हैं।

(2) अवधि यह प्राप्तियों और भुगतानों, जिस अवधि से वह सम्बन्धित है, की कुल राशि को दर्शाता है। उदाहरण के लिए, 31 मार्च, 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए हम 2019 - 20 वर्ष के दौरान प्राप्त कुल चंदे की राशि जिसमें 2018 - 19 तथा 2020 - 21 के चंदे भी सम्मिलित हैं, को प्रलेखित करेंगे। इसी प्रकार वर्ष 2019 - 2020 के दौरान भुगतान किए गए कर यदि यह वर्ष 2018 - 19 और 2020 - 2021 से सम्बन्धित है तो भी इनका प्रलेखन 2019 - 2020 के खातों में किया जाएगा।

(3) आयगत एवं पूँजीगत दोनों प्रकार की मदें इसमें सभी प्राप्तियों एवं भुगतानों को सम्मिलित किया जाएगा चाहे वह आयगत प्रकृति के हों या फिर पूँजीगत प्रकृति के।

(4) रोकड़ तथा बैंक सम्बन्धी मदें-रोकड़ तथा बैंक से सम्बन्धित प्राप्तियों/भुगतानों में कोई अन्तर नहीं किया जाएगा। आरम्भिक और अन्तिम शेष को अपवाद माना जाएगा और कुल प्राप्तियों और भुगतान की कुल राशि को इस खाते में दर्शाया जाएगा।

(5) गैर-रोकड़ मदों का लेखा नहीं किसी भी गैर रोकड़ मद जैसे ह्रास, बकाया व्यय तथा अर्जित आय इत्यादि को इस खाते में नहीं दर्शाया जाएगा।

(6) प्रारम्भिक तथा अन्तिम शेष: इसका आरम्भ, रोकड़ के आरम्भिक शेष (हस्तस्थ) और बैंकस्थ (या बैंक अधिविकर्ष) से किया जाएगा और अन्त वर्ष के अन्त में रोकड़ शेष (हस्तस्थ) बैंकस्थ या बैंक अधिविकर्ष के साथ किया जाएगा। इस खाते का अन्तिम शेष (प्राप्ति और भुगतान खाते के प्राप्ति और भुगतानों का अन्तर) जो कि आमतौर पर नाम शेष होता है, रोकड़ हस्तस्थ और बैंकस्थ, यदि बैंक अधिविकर्ष न हो तो, को प्रकट करता है।

प्रश्न 5 अलाभकारी संस्थाओं के द्वारा निम्न मदों के लिए किए जाने वाले व्यवहार को दर्शाएँ।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(i) वार्षिक चंदा

(ii) विशिष्ट दान

(iii) स्थायी परिसम्पत्तियों का विक्रय

(iv) पुराने साप्ताहिकों/पाक्षिकों का विक्रय

(v) खेलकूद के सामान का विक्रय

(vi) आजीवन सदस्यता शुल्क।

उत्तर –

(i) वार्षिक चंदा (Annual Subscription): अलाभकारी संस्थाओं के लिए चंदा आय का प्रमुख स्रोत है। यह संस्था के सदस्यों द्वारा संस्था के संचालन हेतु दिया गया वार्षिक सदस्यता शुल्क होता है। इसकी आयगत प्रकृति होती है तथा इसे आय-व्यय खाते के क्रेडिट पक्ष में दिखाया जाता है। आय-व्यय खाते में केवल चालू वर्ष से सम्बन्धित चन्दे की राशि ही दिखाई जाती है।

चन्दे की राशि को प्राप्ति व भुगतान खाते के प्राप्ति पक्ष में भी दिखाया जाता है। परन्तु यहाँ चालू वर्ष में सदस्यों से प्राप्त चन्दे की कुल राशि को दिखाया जाता है चाहे यह चन्दे की राशि पिछले या चालू या अगले वर्ष से सम्बन्धित ही क्यों न हो।

आय - व्यय खाते में दिखाई जाने वाली चन्दे की राशि निम्न प्रकार ज्ञात की जाती है।

Calculation of Amount of Subscription to be shown in Income and Expenditure Account

Dr. Income and Expenditure Account for the year ended... Cr.

Expenditure	₹	Income	₹	₹
		By Subscription	xxx	
		Less: Subscription for the previous year	xxx	
			xxx	
		Less: Subscription for the subsequent year	xxx	
			xxx	
		Add: Outstanding subscription for the current year	xxx	
			xxx	
		Add: Received in advance during the previous year for the current year	xxx	xxx

SHIVOM CLASSES 8696085411

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(ii) विशिष्ट दान (Specific Donation): यदि दान की राशि किसी विशेष उद्देश्य के लिए प्राप्त होती है तो इसे विशिष्ट दान कहते हैं। इस स्थिति में यह दान संस्था के आय-व्यय खाते में नहीं लिखा जायेगा तथा इस राशि का प्रयोग विशेष उद्देश्य की पूर्ति के लिए ही किया जायेगा; जैसे- भवन निर्माण हेतु दान, पुस्तकालय में पुस्तकें क्रय करने हेतु प्राप्त दान, पुरस्कार प्रदान करने हेतु प्राप्त दान, कम्प्यूटर प्रयोगशाला के निर्माण हेतु दान आदि। विशिष्ट दान को पूँजीगत प्राप्ति मानकर तुलन पत्र/चिट्ठे के दायित्व पक्ष में उचित शीर्षक के अन्तर्गत दर्शाते हैं, चाहे दान की राशि कम हो या ज्यादा।

(iii) स्थायी परिसम्पत्तियों का विक्रय (Sale of Fixed Assets): स्थायी परिसम्पत्तियों के विक्रय से प्राप्त राशि को प्राप्ति एवं भुगतान खाते के प्राप्ति पक्ष में दर्शाया जाता है। इस विक्रय की राशि को आय-व्यय खाते में नहीं दर्शाते हैं। स्थायी परिसम्पत्तियों के विक्रय से होने वाली लाभ या हानि को आय-व्यय खाते में दर्शाया जाता है। लाभ को आय-व्यय खाते के आय पक्ष (या क्रेडिट पक्ष) में व हानि को आय-व्यय खाते के व्यय पक्ष (या डेबिट पक्ष) में दर्शाया जाता है।

तुलन-पत्र या चिठे में विक्रय की राशि को सम्पत्ति के पुस्तक मूल्य में से घटाकर दिखाया जाता है; जैसेएक प्लाण्ट का पुस्तक मूल्य ₹ 20,000 है व इसे ₹ 18,000 में बेचा गया है। विक्रय की राशि ₹ 18,000 को प्राप्ति एवं भुगतान पक्ष के प्राप्ति पक्ष में तथा प्लाण्ट में विक्रय से हुई हानि ₹ 2,000 को आय-व्यय खाते के व्यय पक्ष में दर्शाया जायेगा। चिट्ठे में प्लाण्ट के पुस्तक मूल्य में से ₹ 20,000 घटाये जायेंगे।

(iv) पुराने साप्ताहिकों/पाक्षिकों का विक्रय (Sale of Old Periodicals): पुराने साप्ताहिकों या पाक्षिकों के विक्रय से प्राप्त राशि आवृत्ति प्रकृति (Recurring Nature) की मद है। इसकी बिक्री को प्राप्ति एवं भुगतान खाते के प्राप्ति पक्ष में तथा आय-व्यय खाते के आय पक्ष में दर्शाया जायेगा।

(v) खेलकूद के सामान का विक्रय (Sale of Sports Material): खेल क्लब हेतु खेलकूद के सामान की बिक्री (जैसे-पुरानी बाल, बल्ला, जाल, पुराना बैट आदि) नियमित लक्षण है। इस बिक्री को आयगत आय मानकर आय-व्यय खाते के आय पक्ष में तथा प्राप्ति एवं भुगतान खाते के प्राप्ति पक्ष में दर्शाया जाता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(vi) आजीवन सदस्यता शुल्क (Life Membership Fee): अलाभकारी संस्थाएँ स्थायी सदस्यों से एक बार निश्चित शुल्क लेकर उन्हें संस्था का आजीवन सदस्य बना लेती हैं। ऐसे सदस्यों को प्रतिवर्ष वार्षिक सदस्यता शुल्क जमा नहीं कराना होता है। यह शुल्क चालू वर्ष से सम्बन्धित न होकर संस्था के पूर्ण जीवनकाल से सम्बन्धित होता है। अत: इसे पूँजीगत प्राप्ति मानकर तुलन-पत्र/चिट्ठे के दायित्व पक्ष में पूँजी कोष में जोड़ देते हैं तथा प्राप्ति एवं भुगतान खाते के प्राप्ति पक्ष में दिखाया जाता है। आजीवन सदस्यता शुल्क को आय-व्यय खाते में नहीं दिखाया जाता है।

प्रश्न 6 आय और व्यय खाते में उन मदों का व्यवहार दर्शाइए जब उनके लिए एक विशिष्ट निधि हो।

उत्तर – **विशिष्ट निधि (Special Funds):** अलाभकारी संस्थाएँ अनेक विशिष्ट उद्देश्यों/गतिविधियों जैसे कि पुरस्कार निधि, मैच निधि और खेल निधि आदि के लिए विशेष निधि का निर्माण करती हैं। इन विशिष्ट निधि को पूँजीगत आय-व्यय के आधार पर 'व्यवहार किया जाता है तथा इनका लेखा आय और व्यय खाते में नहीं किया जाता है। इन निधि का प्रतिभूतियों में विनियोग भी किया जाता है और ऐसे विनियोगों पर अर्जित आय को सम्बन्धित निधि में जमा कर दिया जाता है न कि आय और व्यय खाते के जमा पक्ष में।

इसी प्रकार विशिष्ट उद्देश्य के लिए किए गए व्यय को विशिष्ट निधि में से घटाया जाता है। उदाहरण के लिए एक क्लब खेल गतिविधियों के लिए विशेष निधि बनाता है। इस स्थिति में खेल निधि के विनियोग से ब्याज की आय को खेल निधि में जोड़ा जाएगा और खेल पर सभी व्ययों को घटाया जाएगा। विशेष निधियों को तुलन पत्र में दर्शाया जाएगा। परन्तु यदि आय और व्ययों का समायोजन करने के पश्चात् विशिष्ट/विशेष निधि का शेष ऋणात्मक है तो यह आय और व्यय खाते के नाम पक्ष में हस्तान्तरित किया जाएगा या दिए गए निर्देशों के अनुसार समायोजित किया जाएगा।

इसे निम्न उदाहरण द्वारा और अधिक स्पष्ट किया जा सकता है:

उदाहरण:

(अ) निम्न सूचनाओं को अलाभकारी संस्थाओं के वित्तीय विवरण में दर्शाएँ।

विवरण	राशि(₹)
मैच व्यय (Match Expenses)	16,000
मैच निधि (Match Fund)	8,000
मैच निधि के लिए दान (Donation for Match Fund)	5,000

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

मैच टिकटों का विक्रय (Sale of Match Tickets)	7,000

(ब) यदि अन्य व्यय समान रहे और मैच व्यय ₹ 6,000 से बढ़ जाए तब क्या प्रभाव होगा?

(अ) Balance Sheet as on ..... (only relevant data):

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Match Fund	8,000			
Add : Donation (Specific)	5,000			
Add : Sale of Match Tickets	7,000			
	20,000			
Less : Match Expenses	16,000	4,000		
		4,000		

(ब) यदि मैच व्यय ₹ 6,000 से बढ़ जाता है तो कुल समायोजित मैच निधि ₹ 20,000 तथा मैच व्यय 16.000 + 6,000 = ₹ 22,000 होंगे। यहाँ नाम अर्थात् व्यय, जमा से अधिक है अतः ₹ 2,000 का नाम शेष इस वर्ष के आय और व्यय खाते से प्रभारित (Charge) किया जायेगा अर्थात् आय और व्यय खाते के व्यय पक्ष में दिखाया जायेगा।

प्रश्न 7 प्राप्ति एवं भुगतान खाता क्या है? यह आय और व्यय खाते से किस प्रकार भिन्न है?

उत्तर – प्राप्ति एवं भुगतान खाते का अर्थ: प्राप्ति एवं भुगतान खाते (Receipt and Payment A/c) का अर्थ - प्राप्ति एवं भुगतान खाता रोकड़ तथा बैंक के लेन-देन के विभिन्न शीर्षकों का सारांश होता है। अलाभकारी संस्थाओं को यह खाता बनाना आवश्यक होता है।

यह एक लेखा वर्ष के अन्त में रोकड़ प्राप्तियों तथा नक़द भुगतानों को रोकड़ बही में प्रलेखन के आधार पर तैयार किया जाता है। उदाहरणार्थ, भिन्न-भिन्न तिथियों को सदस्यों से प्राप्त किया गया चंदा, जो कि रोकड़ पुस्तक में नाम पक्ष की ओर दर्शाया जाता है, को प्राप्ति एवं भुगतान खाते में एक मद के रूप में इसकी कुल राशि से प्राप्ति पक्ष में दर्शाया जाएगा।

इसी प्रकार वेतन, किराया, बिजली का बिल भुगतान के जो कि समय-समय पर किए जाते हैं, को रोकड़ बही में जमा पक्ष की ओर प्रलेखित किया जाता है परन्तु कुल भुगतान वेतन, कुल भुगतान किराया तथा कुल भुगतान विद्युत प्रभार, जो एक वर्ष के दौरान भुगतान किए गए हैं, को प्राप्ति एवं भुगतान खाते के भुगतान पक्ष की ओर प्रकट किया जाएगा।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

इसलिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता विभिन्न प्राप्तियों एवं भुगतानों चाहे वह चालू अवधि से सम्बन्धित हों या पूर्व अवधि या आगामी अवधि से सम्बन्धित पूँजीगत या आयगत प्रकृति के हों, को सारांश के रूप में प्रस्तुत करता है। यह खाता कोई गैर-मद, जैसे ह्रास की राशि को नहीं दर्शाता है। इसके प्रारम्भ में प्रारम्भिक रोकड़ व बैंक शेष (अथवा बैंक अधिविकर्ष) तथा अन्त में अन्तिम रोकड़ से बैंक शेष दिखाये जाते हैं।

प्राप्ति एवं भुगतान खाता तथा आय और व्यय खाते में अन्तर:

अंतर का आधार	प्राप्ति एवं भुगतान खाता	आय एवं व्यय खाता
1. प्रकृति	यह नकद और बैंक लेनदेन का सारांश है।	यह वर्तमान वर्ष की आय और व्यय का सारांश है।
2. राजस्व और पूंजी	यह राजस्व और पूंजी दोनो प्रकृति से संबंधित लेनदेन को दर्ज करता है।	यह केवल राजस्व से संबंधित लेनदेन को दर्ज करता है।
3. अवधि	गत और आगामी अवधि से भी संबंधित प्राप्तियां एवं भुगतान।	केवल चालू अवधि से संबंधित आय और व्यय की मदें।
4.नाम पक्ष	इस खाते के नाम पक्ष में प्राप्तियों का अभिलेखन किया जाता है।	इस खाते के नाम पक्ष में व्ययों और हानियों का अभिलेखन किया जाता है।
5.जमा पक्ष	इस खाते के जमा पक्ष में भुगतानों का अभिलेखन किया जाता है।	इस खाते के जमा पक्ष में आय और अभिलाभों का अभिलेखन किया जाता है।
6.ह्रास	इसमें ह्रास सम्मिलित नही किया जाता है।	इसमें ह्रास सम्मिलित किया जाता है।
7.आरंभिक शेष	आरंभिक शेष हस्तस्थ रोकड़/बैंकस्थ रोकड़ या आरंभिक अधिविकर्ष को दर्शाता है।	इसका आरंभिक शेष नही होता है।
8.अंतिम शेष	अंतिम शेष अंत में हस्तस्थ रोकड़ तथा बैंक शेष को दर्शाता है।	अंतिम शेष आय का व्यय पर आधिक्य या इसके विपरित स्थिति को दर्शाता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 8 लाभकारी व अलाभकारी संस्था के मध्य अन्तर स्पष्ट करें।

उत्तर – लाभकारी व अलाभकारी संस्था के मध्य अन्तर:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

अन्तर का आधार	लाभकारी संस्थाएँ	अलाभकारी संस्थाएँ
1. मूल उद्देश्य	लाभ कमाना होता है।	सेवा व कल्यागकारी कार्य होता है।
2. स्वामित्व	पूँजी लगाने वाले व्यक्तियों का होता है।	पूँजी कोष में धन लगाने वाले व्यक्ति जो सामान्यतया Subscriber कहलाते हैं।
3. आर्थिक स्थिति	इन संस्थाओं के लिए व्यापार खात्रा; लाभ- हानि खाता व चिट्ठा बनाया जाता है।	इन संस्थाओं के लिए प्राप्ति भुगतान खाता, आय-व्यय खाता व चिट्ठा बनाया जाता है।
4. प्रतिफल हानि	क्रियाकलापों का प्रतिफल लाभ/हानि के रूप में होता है।	इनका प्रतिफल बचत/न्यूनता कहलाता है।
5. आधिक्य कोष	आय का व्यय पर आधिक्य सदस्यों में वितरित होता है।	यह राशि संस्था की कल्याणकारी योजनाओं में पुर्ननिवेश होती है।

आंकिक प्रश्न:

प्रश्न 1 एक हैल्थ क्लब की रोकड़ पुस्तक से लिए गए निम्न विवरणों द्वारा प्राप्ति एवं भुगतान खाता तैयार कीजिए।

	(₹)
आरम्भिक शेष (Opening Balances)	5,000
हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand)	25,000
बैंक रोकड़ (Cash at Bank)	.65,000
चंदा (Subscriptions)	36,000
दान (Donations)	80,000
विनियोग क्रय (Investment Purchased)	20,000
किराया भुगतान (Rent paid)	21,500
सामान्य व्यय (General Expenses)	2,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

डाक व्यय (Postage and Stationery)	1,000
कोरियर व्यय (Courier charges)	2,500
विविध व्यय (Sundry Expenses)	12,000
अन्तिम हस्तस्थ रोकड़ (Closing Cash in Hand)	5,000

उत्तर –

Dr. Receipts and Payments Account Cr.

Receipts		Amount ₹	Payments		Amount ₹
To Balance b/d :			By Investments purchased		80,000
Cash in Hand	5,000		By Rent paid		20,000
Cash at Bank	25,000	30,000	By General Expenses		21,500
To Subscriptions		1,65,000	By Postage and Stationery		2,000
To Donations		35,000	By Courier Charges		1,000
			By Sundry Expenses		2,500
			By Balance c/d :		
			Cash in Hand	12,000	
			Cash at Bank	91,000	1,03,000
			(Balancing figure)		
		2,30,000			2,30,000

प्रश्न 2 हरिमोहन धर्मार्थ संस्थान का प्राप्ति एवं भुगतान खाता दिया गया है।

31 मार्च, 2015 प्राप्ति एवं भुगतान खाता:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्राप्तियाँ	राशि ₹	भुगतान	राशि ₹
पिछले वर्ष का शेष आ/ला (Balance b/d) :		फर्नीचर (Furniture)	3,000
बैंकस्थ रोकड़ (Cash at Bank)	22,000	विनियोग (Investment)	55,000
हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand)	8,800	भवन के लिए अग्रिम (Advance for Building)	20,000
दान (Donations)	16,000	दान (Charities)	60,000
चंदा (Subscriptions)	50,200	वेतन (Salaries)	10,400
बीमा निधि (Endowment Fund)	60,000	किराया एवं कर (Rent and Taxes)	4,000
वसीयत (Legacies)	12,000	छपाई (Printing)	1,000
विनियोग पर ब्याज (Interest on Investment)	3,800	डाक (Postage)	300
		विज्ञापन (Advertisements)	1,100
जमा पर ब्याज (Interest on Deposits)	800	बीमा (Insurance)	4,800
पुराने अखबारों का विक्रय (Sale of Old Newspapers)	500	शेष आ/ले (Balance c/d) :	
		बैंक में रोकड़ (Cash at Bank)	32,000
भवन के लिए अनुदान (Donation for Building)	16,000	हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand)	10,500
भवन के लिए वसीयत (Legacy for Building)	12,000		
	2,02,100		2,02,100

31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए निम्न सूचनाओं को ध्यान में रखकर आय और व्यय खाता तैयार कीजिए:

(i) दिए गए दायित्व हैं। किराया ₹ 800 , वेतन ₹ 1,200 , विज्ञापन ₹ 200

(ii) विनियोग पर ब्याज की अप्राप्त राशि ₹ 2,000

उत्तर –

Books of Harimohan Charitable Institution:

Income and Expenditure Account (for the year ending on March 31, 2015):

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. Cr.

Expenditure		Amount ₹	Income		Amount ₹
To Rent and Taxes	4,000		By Donations		16,000
Add : Outstanding	800	4,800	By Legacies		12,000
To Salaries	10,400		By Subscriptions		50,200
Add : Outstanding	1,200	11,600	By Interest on Investment	3,800	
To Advertisement	1,100		*Add* : Accrued Interest	2,000	5,800
Add : Outstanding	200	1,300	By Interest on Deposits		800
To Charities		60,000	By Sale of Old Newspapers		500
To Printing		1,000			
To Postage		300			
To Insurance		4,800			
To Surplus (Excess of Income over Expenditure)		1,500			
		85,300			85,300

प्रश्न 3 दिए गए विवरणों से आय और व्यय खाता तैयार कीजिए।

विवरण	राशि(₹)
फीस एकत्रित, पिछले वर्ष के खातों से ₹ 80,000 सहित (Fees collected, including ₹ 80,000 on account of the previous year)	5,000
वर्ष की बकाया फीस (Fees for the year outstanding)	25,000
वेतन भुगतान पिछले वर्ष के खातों से ₹ 5,000 सहित (Salary paid, including ₹ 5,000 on account of the previous year)	.65,000
वर्ष के अन्त में बकाया वेतन (Salary outstanding at the end of the yar)	36,000
मनोरंजन व्यय (Entertainment expenses)	80,000
टूर्नामेंट व्यय (Tournament expenses)	20,000
मीटिंग व्यय (Meeting Expenses)	21,500
यात्रा व्यय (Travelling Expenses)	2,000
पुस्तक और पाक्षिकों का क्रय ₹ 31,000 की पुस्तकों के क्रय सहित (Purchase of Books and Periodicals. including ₹ 31,000 for purchase of Books)	1,000
किराया (Rent)	2,500
डाक, तार एवं दूरभाष (Postage, telegrams and telephones)	12,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

छपाई एवं लेखन सामग्री (Printing and Stationery)	5,000

उत्तर –

Income and Expenditure:

Dr. Cr.

Expenditure		Amount ₹	Income		Amount ₹
To Salaries	68,000		By Fees Collected	5,20,000	
Less : Previous year's Outstanding)	(5,000)		*Less* : Previous year's Outstanding	(80,000)	
	63,000			4,40,000	
Add : Current year's Outstanding	3,000	66,000	*Add* : Current year's Outstanding	30,000	4,70,000
To Entertainment Expenses		8,000	By Donations		25,000
To Tournament Expenses		25,000			
To Meeting Expenses		18,000			
To Travelling Expenses		7,000			
To Purchases of Periodicals (40,000 – 31,000)		9,000			
To Postage, Telegrams & Telephones		6,000			
To Rent		15,000			
To Printing and Stationery		18,000			
To Surplus (Excess of Income over (Expenditure)		3,23,000			
		4,95,000			4,95,000

प्रश्न 4 एक स्पोर्ट्स क्लब की कुछ मदों से सम्बन्धित सूचनाएँ निम्न हैं। इन मदों को क्लब के आय और व्यय खाते तथा तुलन पत्र में दर्शाइये।

विवरण	राशि (₹)
खेल निधि 1 अप्रेल, 2016 को (Sports Fund as on 1.4.2016)	35,000
खेल निधि विनियोग (Sports Fund Investments)	35,000
खेल निधि विनियोग पर ब्याज (Interest on Sports Fund Investments)	4,000
खेल निधि के लिए अनुदान (Donations for Sports Fund)	15,000
खेल पुरस्कार (Sports Prizes awarded)	10,000
खेल आयोजन पर व्यय (Expenses on Sports Events)	4,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

सामान्य निधि (General Fund)	80,500
सामान्य निधि विनियोग (General Fund Investments)	80,000
सामान्य निधि विनियोग पर ब्याज (Interest on General Fund Investments)	8,000

उत्तर – Books of Sports Club Income and Expenditure Account:

Dr. Cr.

Expenditure	Amount ₹	Income	Amount ₹
		By Interest on General Fund Investments	8,000

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Sports Fund (as on 1.4.2016)	35,000		Sports Fund Investments	35,000
Add : Interest on Sports Fund	4,000		General Fund Investments	80,000
Add : Donations for Sports Fund	15,000			
	54,000			
Less : Expenses on Sports Event	(4,000)			
Less : Prize Awarded	(10,000)	40,000		
General Fund		80,000		

प्रश्न 5 31मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए बोम्बे वुमैन क्रिकेट क्लब का आय और व्यय खाता और तुलन पत्र तैयार करते समय निम्न मदों के साथ क्या व्यवहार करेंगे?

विवरण	राशि (₹)
(अ) वर्ष के दौरान स्थायी पवेलियन के निर्माण के लिए प्राप्त अनुदान	12,25.000
31 मार्च, 2018 तक निर्माण पर व्यय	10,80.000
पवेलियन निर्माण पर व्यय की कुल अनुमानित राशि	25,00.000
(ब) टूर्नामेंट निधि	
1 अप्रेल, 2017 को शेष	10,700
वर्ष के दौरान टूर्नामेंट के लिए प्राप्त चंदा	65,800
टूर्नामेंट के लिए वर्ष के दौरान किए व्यय	72,400

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(स) वर्ष के दौरान प्राप्त आजीवन सदस्यता शुल्क	28,000

उत्तर –

Books of Bombay Women Cricket Club:

Balance Sheet as on March 31, 2018 (Only relevant items):

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
(अ)			Construction of Pavilion in Progress	10,80,000
Donation for Pavilion	12,25,000			
Less : Exp. on construction of Pavilion	(10,80,000)	1,45,000		
Capital Fund	.....			
Add : Pavilion construction	10,80,000	10,80,000		
(ब)				
Tournament Fund	10,700			
Add : Subscription for Tournament	65,800			
	76,500			
Less : Tournament Exp.	(72,400)	4,100		
(स)				
Life Membership Fees		28,000		

SHIVOM CLASSES 8696608541

कारण - (अ):

1. पवेलियन के निर्माण हेतु अनुदान एक विशेष उद्देश्य हेतु अनुदान है।
2. पवेलियन के निर्माण पर व्यय एक पूँजीगत व्यय है।

(ब) विशेष निधि के लिए प्राप्त सभी निधि पूँजीगत प्राप्ति है एवं उस सम्बन्धी व्यय उसी में से किये जायेंगे।

(स) यदि अलग से कुछ नहीं कहा जाये तो आजीवन सदस्यता शुल्क को पूँजीगत प्राप्ति माना जाता है और इसे तुलन पत्र के दायित्व पक्ष की ओर दिखाया जाता है। आयगत प्राप्ति मानने पर इसे आय और व्यय खाते के जमा पक्ष की ओर दर्शाया जायेगा।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 6 अडल्ट लिटरेसी संस्थान द्वारा दिए गए प्राप्ति एवं भुगतान खाते तथा निम्न सूचनाओं के आधार पर 31 मार्च, 2018 वर्ष के लिए आय और व्यंय खाता तथा आरम्भिक तुलन पत्र तैयार कीजिए।

31 मार्च, 2018 को प्राप्ति एवं भुगतान खाता:

प्राप्तियाँ		राशि ₹	भुगतान	राशि ₹
शेष आ/ला (Balance b/d) :			सामान्य व्यय (General Expenses)	3,200
हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand)		4,000	अखबार (Newspaper)	1,850
बैंकस्थ रोकड़ (Cash at Bank)		15,550	विद्युत (Electricity)	3,000
चंदा (Subscriptions)			बैंक में स्थायी जमा (Fixed deposit	
2016-17	1,200		with Bank)	18,000
2017-18	26,500		(30 सितम्बर, 2018 को) (On 30.6.2018)	
2018-19	500	28,200	दर 10% प्रति वर्ष (@ 10% p.a.)	
पुराने अखबारों का विक्रय (Sale of old			पुस्तकें (Books)	7,000
newspapers)		1,250	वेतन (Salaries)	3,600
सरकार द्वारा सहायता (Govt. grant)		12,000	किराया (Rent)	6,500
पुराने फर्नीचर का विक्रय (Sale of old			डाक व्यय (Postage charges)	300
furniture) (पुस्तक मूल्य ₹ 5,000)			फर्नीचर (क्रय) (Furniture purchased)	10,500
(Book value ₹ 5,000)		3,700	शेष आ/ले (Balance c/d) :	
स्थायी जमा पर प्राप्त ब्याज (Interest			हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand)	3,000
received on FD)		450	बैंकस्थ रोकड़ (Cash at Bank)	8,200
		65,150		65,150

सूचनाएँ :

1. बकाया चंदा 31.3.2017 को ₹ 2,000 और 31.3 .2018 को ₹ 1,500
2. 31.3.2018 को बकाया वेतन ₹ 600 और एक महीने का किराया अग्रिम भुगतान किया गया।
3. 1.4 .2017 पर संस्थान के पास फर्नीचर ₹ 12,000 तथा पुस्तकें ₹ 5,0001

उत्तर –

Books of Adult Literacy Organisation Income and Expenditure Account for the year ending on March 31, 2018:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. Cr.

Expenditure		Amount ₹	Income		Amount ₹
To Loss on Sale of Old Furniture (5,000 – 3,700)		1,300	By Subscription	26,500	
To General Expenses		3,200	*Add* : Outstanding	1,500	28,000
			By Sale of Old Newspapers		1,250
To Newspapers		1,850	By Government Grant		12,000
To Electricity		3,000	By Interest received on F.D.	450	
To Salary	3,600		*Add* : Accrued Interest	450	900
Add : Outstanding	600	4,200	$\left(18,000 \times \frac{10}{100} \times \frac{6}{12} = 900 - 450 = 450\right)$		
To Rent	6,500				
Less : Prepaid $\left(\frac{6,500}{13} \times 1\right)$	(500)	6,000			
To Postages Charges		300			
To Surplus (Excess of Income over Expenditure)		22,300			
		42,150			42,150

प्रश्न 7 31 मार्च, 2018 को नारी कल्याण समिति के प्राप्ति एवं भुगतान खाते का विवरण इस प्रकार है।

नाम जमा

प्राप्तियाँ	राशि ₹	भुगतान	राशि ₹
पिछले वर्ष का शेष आ/ला (Balanace b/d)	2,270	किराया (Rent)	6,600
चंदा (Subscriptions)	32,500	विद्युत प्रभार (Electric charges)	3,200
आजीवन सदस्यता शुल्क (Life membership fee)	3,250	प्रवक्ता शुल्क (Lecturer's Fee)	730
दान (Donation)	2,500	कार्यालय व्यय (Office Expenses)	1,480
मनोरंजन से लाभ (Profit from Entertainment)	7,250	छपाई एवं लेखन सामग्री (Printing and Stationery)	1,050
पुरानी पुस्तकों का विक्रय (Sale of Old Books) (पुस्तक मूल्य ₹ 1,000) (Books value ₹ 1,000)	750	कानूनी व्यय (Legal Fee)	1,870
		पुस्तकें (Books)	6,500
		फर्नीचर क्रय (Furniture Purchased)	8,600
		नुक्कड़ नाटक पर व्यय (Expenses on Nukkar Drama)	1,300
ब्याज ((Interest)	350	शेष आ/ले (Balance c/d) :	
		हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand)	8,040
		बैंक में रोकड़ (Cash at Bank)	9,500
	48,870		48,870

निम्न समायोजनों के पश्चात् आप आय और व्यय खाता तैयार कीजिए:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(अ) ₹ 750 चंदा अभी प्राप्त होना बाकी है, परन्तु चंदे में ₹ 500 वर्ष 2018-19 के लिए शामिल हैं।

(ब) वर्ष के आरम्भ में समिति के पास ₹ 20,000 का भवन और ₹ 3,000 का फर्नीचर और ₹ 2,000 की पुस्तकें हैं।

(स) फर्नीचर पर 5% की दर से (क्रय सहित), पुस्तक पर 10% की दर से और भवन पर 5% की दर से ह्रास लगाएँ।

उत्तर –

Books of Nari Kalyan Samittee:

Income and Expenditure Account for the year ending on March 31, 2018:

Dr. Cr.

Expenditure	Amount ₹	Income		Amount ₹
To Rent	6,600	By Subscription	32,500	
To Electric Charges	3,200	*Add* : Outstanding	750	
To Lecturer's Fee	730		33,250	
To Office Expenses	1,480	*Less* : Advance	(500)	32,750
To Printing and Stationery	1,050	By Donation		2,500
To Legal Fee	1,870	By Profit from Entertainment		7,250
To Depreciation on :		By Interest		350
Books 750				
Furniture 580				
Building 1,000	2,330			
To Expenses on Nukkar Drama	1,300			
To Loss on Sale of Books (1,000 – 750)	250			
To Surplus	24,040			
	42,850			42,850

प्रश्न 8 निम्न प्राप्ति एवं भुगतान खाता इण्डियन स्पोर्ट्स क्लब का है। 31 मार्च, 2018 को आय और व्यय खाता और तुलन पत्र तैयार करें।

31 मार्च, 2018 को वर्ष की समाप्ति पर प्राप्ति एवं भुगतान खाता:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

नाम जमा

प्राप्तियाँ	राशि ₹	भुगतान	राशि ₹
शेष आ/ला (Balance b/d)	7,890	वेतन (Salary)	11,000
चंदा (Subscriptions)	52,000	बिजली व्यय (Electric Charges)	5,500
आजीवन सदस्यता शुल्क (Life Membership Fees)	2,200	बिलियर्ड खेल की टेबल (Billiard Table)	17,500
प्रवेश शुल्क (Entrance Fee)	3,200	कार्यालय व्यय (Office Expenses)	4,100
टूर्नामेंट निधि (Tournament Fund)	26,000	छपाई एवं लेखन सामग्री (Printing and Stationery)	2,300
लॉकर का किराया (Locker Rent)	1,250	टूर्नामेंट व्यय (Tournament Expenses)	18,500
पुराने खेल सामान की बिक्री (Sale of Old Sports Equipments) (लागत ₹ 2,200) (Costing ₹ 2,200)	2,500	मैदान की मरम्मत (Repair of Ground)	2,000
		फर्नीचर का क्रय (Furniture Purchased)	7,700
		खेल का सामान (Sports Equipment)	12,000
पुराने अखबार की बिक्री (Sale of Old Newspaper)	750	हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand)	12,690
		बैंकस्थ रोकड़ (Cash at Bank)	10,000
वसीयत (Legacy)	37,500	स्थायी जमा (Fixed Deposit) (1.1.2018 को 10% प्रति वर्ष)	30,000
	1,33,290		1,33,290

अन्य सूचनाएँ:

चंदा 31 मार्च, 2017 को ₹ 1,200 और 31 मार्च, 2018 को ₹ 3,200 अप्राप्त है। 31 मार्च, 2018 को लॉकर का किराया ₹ 250 अप्राप्त है। 31 मार्च, 2018 को वेतन के ₹ 1,000 बकाया हैं। 1 अप्रैल, 2017 को क्लब के पास भवन ₹ 36,000 फर्नीचर ₹ 12,000 खेल का सामान ₹ 17,500 है । इन मदों पर 10% की दर से ह्रास लगाएँ (क्रय सहित)।

उत्तर –

Indian Sports Club:

Income and Expenditure Account for the year ending on March 31, 2018:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. *for the year ending on March 31, 2018* **Cr.**

Expenditure		Amount ₹	Income		Amount ₹
To Salary	11,000		By Subscriptions	52,000	
Add : Outstanding	1,000	12,000	*Add* : Outstanding for 2017-18	3,200	
To Electric Charges		5,500		55,200	
To Office Expenses		4,100	*Less* : Outstanding for 2016-17	(1,200)	54,000
To Printing and Stationery		2,300	By Locker Rent	1,250	
To Repair of Ground		2,000	*Add* : Outstanding	250	1,500
To Depreciation on :			By Entrance Fees		3,200
Furniture	1,970		By Profit on Sale of Sports Equipments (₹ 2,500 – 2,200)		300
Building	3,600		By Sale of Old Newspapers		750
Sports Equipments	2,730	8,300	By Accrued Interest		750
To Surplus		26,300			
		60,500			60,500

Balance Sheet as on March 31, 2018:

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Salary Outstanding		1,000	Subscription Outstanding		3,200
Tournament Fund	26,000		Locker Rent Outstanding		250
Less : Tournament Exp.	18,500	7,500	Building	36,000	
Capital Fund	74,590		*Less* : 10% Depreciation	(3,600)	32,400
Add : Life Membership Fee	2,200		Furniture	12,000	
Add : Legacy	37,500		*Add* : Purchases	7,700	
Add : Surplus	26,300	1,40,590		19,700	
			Less : 10% Depreciation	(1,970)	17,730
			Sports Equipments	17,500	
			Add : Purchases	12,000	
				29,500	
			Less : Sales	(2,200)	
				27,300	
			Less : 10% Depreciation	(2,730)	24,570
			Billiard Table		17,500
			Cash in Hand		12,690
			Cash at Bank		10,000
			Fixed Deposit	30,000	
			Add : Accrued Interest	750	30,750
			$\left(30,000 \times \frac{10}{100} \times \frac{3}{12}\right)$		
		1,49,090			1,49,090

Balance Sheet as on April 1, 2017:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capital Fund (*Balancing Figure*)	74,590	Subscription Outstanding	1,200
		Building	36,000
		Furniture	12,000
		Sports Equipments	17,500
		Cash at Bank	7,890
	74,590		74,590

प्रश्न 9 जन कल्याण क्लब के निम्न प्राप्ति और भुगतान खाते से 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता तथा तुलन पत्र तैयार करें।

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता:

नाम **जमा**

प्राप्तियाँ	राशि ₹	भुगतान	राशि ₹
1.4.2017 को हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand)	6,800	वेतन (Salaries)	24,000
चंदा (Subscription)	60,200	यात्रा व्यय (Travelling Expenses)	6,000
दान (Donation)	3,000	लेखन सामग्री (Stationery)	2,300
फर्नीचर का विक्रय (Sale of Furniture) (पुस्तक मूल्य ₹ 6,000) (Book Value ₹ 6,000)	4,000	किराया (Rent)	16,000
		मरम्मत (Repair)	700
		पुस्तकों का क्रय (Books Purchased)	6,000
		भवन का क्रय (Building Purchased)	30,000
प्रवेश शुल्क (entrance Fee)	800	31.3.2018 को हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand)	1,800
आजीवन सदस्यता शुल्क (Life Membership Fee)	7,000		
विनियोग पर ब्याज (Interest on Investment) (पूरे वर्ष के लिए 5% दर से) (@ 5% for full year)	5,000		
	86,800		86,800

अतिरिक्त सूचनाएँ :

	14,2017 को (₹)	31,3,2018 को (₹)
1. अग्रिम प्राप्त चंदा (Subscription received in advance)	1,000	3,200
2. अप्राप्त चंदा (Outstanding Subscription)	2,000	3,700

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

3. लेखन सामग्री का स्टॉक (Stock of Stationery)	1,200	800
4. पुस्तकें (Books)	13,500	16,500
5. फर्नीचर (Furniture)	16,000	8,000
6. बकाया किराया (Outstanding Rent)	1,000	2,000

उत्तर – Books of Jan Kalyan Club:

Income and Expenditure Account for the year ending on March 31, 2018:

Dr. **Cr.**

Expenditure		Amount ₹	Income		Amount ₹
To Loss on Sale of Furniture (₹ 6,000 – ₹ 4,000)		2,000	By Subscription	60,200	
To Salaries		24,000	*Less* : Outstanding for 2016-17	(2,000)	
To Travelling Expenses		6,000		58,200	
To Stationery	2,300		*Add* : Outstanding for		
	3,500			61,900	
Less : Closing Stock	(800)	2,700	*Add* : Advance in 2016-17	1,000	
To Repairs		700		62,900	
To Rent	16,000		*Less* : Advance in 2017-18	(3,200)	59,700
Less : Outstanding for 2016-17	(1,000)		By Donation		3,000
	15,000		By Entrance Fees		800
Add : Outstanding for 2017-18	2,000	17,000	By Interest on Investments		5,000
To Depreciation on Books		3,000			
To Depreciation on Furniture		2,000			
To Surplus		11,100			
		68,500			68,500

Balance Sheet as on March 31, 2018:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Advance Subscription		3,200	Subscription Outstanding		3,700
Outstanding Rent		2,000	Stock of Stationery		800
Capital Fund	1,37,500		Investments		1,00,000
Add : Life Membership Fees	7,000		Books	13,500	
Add : Surplus	11,100	1,55,600	*Add* : Purchases	6,000	
				19,500	
			Less : Depreciation	(3,000)	16,500
			Building		30,000
			Cash in Hand		1,800
			Furniture	16,000	
			Less : Sales	6,000	
				10,000	
			Less : Depreciation	(2,000)	8,000
		1,60,800			1,60,800

Balance Sheet as on April 1, 2017:

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Advance Subscription	1,000	Cash in Hand	6,800
Outstanding Rent	1,000	Investment {5,000 × (100/5)}	1,00,000
Capital Fund (*Balancing Figure*)	1,37,500	Subscription Outstanding	2,000
		Stock of Stationery	1,200
		Books	13,500
		Furniture	16,000
	1,39,500		1,39,500

प्रश्न 10 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए शंकर स्पोर्ट्स क्लब का प्राप्ति एवं भुगतान खाता नीचे दिया गया है:

31 मार्च, 2018 को वर्ष की समाप्ति पर प्राप्ति एवं भगतान खाता:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

नाम जमा

प्राप्तियाँ	राशि ₹	भुगतान	राशि ₹
आरम्भिक हस्तस्थ रोकड़ (Opening Cash in Hand)	2,600	किराया (Rent)	18,000
प्रवेश शुल्क (Entrance Fees)	3,200	मजदूरी (Wages)	7,000
भवन के लिए अनुदान (Donation for Building)	23,000	बिलियर्ड्स टेबल (Billiards Table)	14,000
लॉकर का किराया (Locker Rent)	1,200	फर्नीचर (Furniture)	10,000
आजीवन सदस्यता शुल्क (Life Membership Fee)	7,000	ब्याज (Interest)	2,000
मनोरंजन से लाभ (Profit from Entertainment)	3,000	डाक (Postage)	1,000
चंदा (Subscription)	40,000	वेतन (Salary)	24,000
		अन्तिम हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand)	4,000
	80,000		80,000

निम्न सूचनाओं की सहायता से आय और व्यय खाता और तुलन पत्र तैयार करें :

31 मार्च, 2017 को अप्राप्त चंदा ₹ 1,200 और 31 मार्च, 2018 का ₹ 2,300 है, डाक टिकटों का आरम्भिक स्टॉक ₹ 300 और अन्तिम स्टॉक ₹ 200 है, ₹ 1,500 किराया 2016 -17 वर्ष से सम्बन्धित है और ₹ 1,500 का भुगतान अभी तक बाकी है। 1 अप्रैल', 2017 को क्लब के पास ₹ 15,000 का फर्नीचर है। 31 मार्च, 2018 को, फर्नीचर का मूल्य ₹ 22,500 है। क्लब ने 2018 में (10% वार्षिक की दर से) ₹ 20,000 का ऋण लिया है।

उत्तर –

Books of Shankar Sports Club:

Income and Expenditure Account for the year ending on March 31, 2018:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. **Cr.**

Expenditure		Amount ₹	Income		Amount ₹
To Rent	18,000		By Entrance Fees		3,200
Add : Outstanding for 2017-18	1,500		By Locker Rent		1,200
	19,500		By Profit from Entertainment		3,000
Less : Outstanding for 2016-17	(1,500)	18,000	By Subscription	40,000	
To Wages		7,000	*Less* : Outstanding for 2016-17	(1,200)	
To Depreciation on Furniture		2,500		38,800	
To Interest		2,000	*Add* : Outstanding for 2017-18	2,300	41,100
To Postage	1,000		By Deficit (*Balancing Figure*)		6,100
Add : Opening Stock	300				
	1,300				
Less : Closing Stock	(200)	1,100			
To Salaries		24,000			
		54,600			54,600

Balance Sheet as on March 31 2018:

Liabilities		Amount ₹	Income		Amount ₹
Rent Outstanding		1,500	Subscription Outstanding		2,300
10% Loan		20,000	Stock of Postage Stamps		200
Donation for Building		23,000	Billiards Table		14,000
Capital Fund	(2,400)[1]		Furniture	15,000	
Add : Life Membership Fee	7,000		*Add* : Purchases	10,000	
				25,000	
Less : Deficit	(6,100)		*Less* : Depreciation	(2,500)	22,500
			Cash in Hand		4,000
			Capital Fund (Deficit)[2]		1,500
		44,500			44,500

Working Notes:

(1) Calculation of Opening Capital Fund:

Balance Sheet as on April 1, 2017:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Rent Outstanding	1,500	Cash in Hand	2,600
10% Loan	20,000	Subscription Outstanding	1,200
		Furniture	15,000
		Stock of Postage Stamps	300
		Capital Fund (Deficit) (*Balancing Figure*)	2,400
	21,500		21,500

(2)	Capital Fund	(2,400)
	Add : Life Membership Fee	7,000
		4,600
	Less : Deficit	(6,100)
	Net Deficit	(1,500)

प्रश्न 11 निम्न प्राप्ति एवं भुगतान खाता और तुलन पत्र द्वारा 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता और तुलन पत्र तैयार करें।

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता:

नाम जमा

प्राप्तियाँ		राशि ₹	भुगतान	राशि ₹
आरम्भिक रोकड़ शेष (Opening Cash Balance)		12,000	फर्नीचर (Furniture)	4,000
चंदा (Subscription)			दूरभाष व्यय (Telephone Expenses)	800
2016-17	2,000		वेतन (Salary) :	
2017-18	22,000	24,000	2016-17	1,000
प्रवेश शुल्क (Entrance Fees)		2,800	2017-18	4,000
लॉकर का किराया (Locker Rent)		1,000	अखबार (Newspapers)	700
आजीवन सदस्यता शुल्क (Life Membership Fee)		1,200	विविध व्यय (Sundry Expenses)	1,000
सरकारी सहायता (Government Grant)		11,000	रक्षा बाण्ड्स (Defence Bonds)	18,000
			भूमि (Land)	20,000
			अन्तिम रोकड़ शेष (Clasing Cash Balance)	2,500
		52,000		52,000

31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए तुलन पत्र:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

दायित्व	राशि ₹	परिसम्पत्तियाँ	राशि ₹
अग्रिम लॉकर किराया (Advance Locker Rent)	200	हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand)	12,000
अग्रिम प्राप्त चंदा (Subscription received in advance)	1,000	अप्राप्त चंदा (Outstanding Subscrition)	3,000
बकाया वेतन (Outstanding Salary)	2,000	भवन (Building)	35,000
ऋण (Loan)	10,000		
पूँजी निधि (Capital Fund)	36,800		
	50,000		50,000

उत्तर –

Income and Expenditure Account:

for the year ending on March 31, 2018:

Dr. **Cr.**

Expenditure	Amount ₹	Income		Amount ₹
To Telephone Expenses	800	By Subscription	22,000	
To Salary	4,000	*Add* : Advance Received in 2016-17	1,000	23,000
To Newspapers	700	By Entrance Fees		2,800
To Sundry Expenses	1,000	By Locker Rent	1,000	
To Surplus (*Balancing Figure*)	31,500	*Add* : Advance Received in 2016-17	200	1,200
		By Government Grants		11,000
	38,000			38,000

Balance Sheet:

as on March 31, 2018:

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capital Fund	36,800		Subscription Still Outstanding for 2016-17 (₹ 3,000 – ₹ 2,000)	1,000
Add : LIfe Membership Fees	1,200		Furniture	4,000
Add : Surplus	31,500	69,500	Defence Bonds	18,000
Salary Still Outstanding for 2016-17		1,000	Land	20,000
Loan		10,000	Building	35,000
			Cash in Hand	2,500
		80,500		80,500

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 12 निम्न प्राप्ति एवं भुगतान खाते से 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए अन्तिम खाते तैयार करें:

31 मार्च, 2018 को वर्ष की समाप्ति पर प्राप्ति एवं भुगतान खाता

नाम जमा

प्राप्तियाँ		राशि ₹	भुगतान	राशि ₹
शेष आ/ला		15,000	फर्नीचर	18,000
पुराने फर्नीचर का विक्रय (लागत ₹ 6,000)		4,000	पुस्तकालय पुस्तकें	10,000
			वेतन	72,000
चंदा			सामान्य व्यय	18,000
2016-17	18,000		बिजली व्यय	12,000
2017-18	60,000		अखबार	33,800
2018-19	12,000	90,000	डाक	3,000
पुराने अखबार की बिक्री		10,800	लेखन सामग्री	40,000
मनोरंजन से लाभ		44,000	अंकेक्षण शुल्क	8,000
किराया		84,000	शेष आ/ले	33,000
		2,47,800		2,47,800

31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए तुलन पत्र:

दायित्व	राशि ₹	परिसम्पत्तियाँ	राशि ₹
बकाया वेतन	6,000	रोकड़	15,000
पूँजी निधि	6,94,000	अप्राप्त चंदा	18,000
		पुस्तकालय पुस्तकें	30,000
		फर्नीचर	37,000
		भूमि और भवन	6,00,000
	7,00,000		7,00,000

उत्तर:

अतिरिक्त सूचनाएँ:

1. क्लब में 500 सदस्य हैं। प्रत्येक सदस्य वार्षिक चंदे के लिए ₹ 150 का भुगतान करता है।
2. 31 मार्च, 2018 को बकाया वेतन की राशि ₹ 1,200 और वेतन भुगतान में ₹ 6,000 वर्ष 2017 - 18 के लिए है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

3. भवन और भूमि पर 5% ह्रास लगाएँ।

Income and Expenditure Account for the year ending on March 31, 2018:

Expenditure		Amount ₹	Income	Amount ₹
To Loss on Sales of Old Furniture (6,000 – 4,000)		2,000	By Subscription : 500 members at ₹ 150 each	75,000
To Salaries	72,000		By Sale of Old Newspapers	10,800
Add : Outstanding for 2017-18	1,200		By Profit from Entertainment	44,000
	73,200		By Rent	84,000
Less : Outstanding for 2016-17	(6,000)	67,200	By Deficit (*Balancing Figure*)	200
To General Expenses		18,000		
To Electric Charges		12,000		
To Newspapers		33,800		
To Postage		3,000		
To Stationery		40,000		
To Audit Fees		8,000		
To Depreciation on Land & Building		30,000		
		2,14,000		2,14,000

Balance Sheet as on March 31, 2018:

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Advance Subscription (for 2018-19)		12,000	Subscription Outstanding		15,000
Salaries Outstanding		1,200	Furniture	37,000	
Capital Fund	6,94,000		*Add* : Purchases	18,000	
Less : Deficit	(200)	6,93,800		55,000	
			Less : Sales	(6,000)	49,000
			Library Books	30,000	
			Add : Purchases	10,000	40,000
			Land and Building	6,00,000	
			Less : 5% Depreciation	(30,000)	5,70,000
			Cash at Bank		33,000
		7,07,000			7,07,000

प्रश्न 13 स्पोर्ट्स क्लब की कुछ मदों के सम्बन्ध में सूचनाएँ निम्न हैं, आप इनको आय और व्यय खाता और तुलन पत्र में दर्शाएँ:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

विवरण	राशि (₹)
1 अप्रैल, 2017 को खेल निधि (Sports Fund as on April 1, 2017)	80,000
खेल निधि विनियोग (Sports Fund Investments)	80,000
खेल निधि विनियोग पर ब्याज़ (Interest on, Sports Fund Investments)	8,000
खेल निधि के लिए दान (Donations for Sports Fund)	30,000
खेल पुरस्कार का अलंकरण (Sports Prizes awarded)	16,000
खेलों पर व्यय (Expenses on Sports Events)	7,000
सामान्य निधि (General Fund)	200,200
सामान्य निधि विनियोग (General Fund Investments)	200,000
सामान्य निधि विनियोग पर ब्याज (Interest on General Fund Investments)	20,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

उत्तर –

Income and Expenditure Account: for the year ending on March 31, 2018

Expenditure:

Dr. **Cr.**

Expenditure	Amount ₹	Income	Amount ₹
		By Interest on General Fund Investments	20,000

Balance Sheet as on March 31, 2018 Amount:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Sports Fund	80,000		Sports Fund Investments	80,000
Add : Interest on Sports Fund Investments	8,000		General Fund Investments	2,00,000
Add : Donation for Sports Fund	30,000			
	1,18,000			
Less : Sports Prizes Awarded	(16,000)			
Less : Expenses on Sports Events	(7,000)	95,000		
General Fund		2,00,000		

प्रश्न 14 मैत्रिय स्पोर्ट्स क्लब का प्राप्ति एवं भुगतान खाता यह दर्शाता है कि 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए चंदे के रूप में 68,500 प्राप्त हुए।

अतिरिक्त सूचनाएँ:

1. 31 मार्च, 2017 को अप्राप्त बंदा ₹ 6,500 है।
2. 31 मार्च, 2017 को अग्रिम प्राप्त चंदा ₹ 4,100 है।
3. 31 मार्च, 2018 को अप्राप्त चंदा ₹ 5,400 है।
4. 31 मार्च, 2018 को अग्रिम प्राप्त चंदा ₹2,500 है।

31 मार्च, 2018 को मैत्रिय क्लब के अन्तिम खातों में उपर्युक्त सूचनाओं को प्रदर्शित करें।

उत्तर –

Books of Maitrey Sports Club:

Income and Expenditure Account for the year ending on March 31, 2018:

Dr. Cr.

Expenditure	Amount ₹	Income		Amount ₹
		By Subscription	68,500	
		Less : O/s on Mar. 31, 2017	(6,500)	
			62,000	
		Add : Advance on Mar. 31, 2017	4,100	
		Add : O/s on Mar. 31, 2018	5,400	
			71,500	
		Less : Advance on Mar. 31, 2018	(2,500)	69,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Balance Sheet as on March 31, 2018:

Liabilities	Amount	Assets	Amount
Subscription in Advance	2,500	Subscription Outstanding	5,400

प्रश्न 15 रोहतगी ट्रस्ट का प्राप्ति एवं भुगतान खाता इस प्रकार है:

31 मार्च, 2018 को वर्ष की समाप्ति पर प्राप्ति एवं भुगतान खाता नाम प्राप्तियाँ

नाम जमा

प्राप्तियाँ		राशि ₹	भुगतान	राशि ₹
हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand)		14,000	किराया (Rent)	6,000
बैंक में रोकड़ (Cash at Bank)		60,000	वेतन (Salaries)	12,000
चंदा (Subscription) :			डाक (Postage)	300
2016-2017	5,000		बिजली व्यय (Electricity Charges)	6,000
2017-2018	83,000		फर्नीचर का क्रय (Purchases of Furniture)	20,000
2018-2019	3,000	91,000	पुस्तकें (Books)	3,000
विनियोग का विक्रय (Sale of Investment)		90,000	रक्षा बॉण्ड्स (Defence Bonds)	1,50,000
विनियोग पर ब्याज (Interest on Investment)		2,000	विद्यार्थियों की मदद (Help to needy Students)	22,000
पुराने फर्नीचर का विक्रय (Salf of Old Furniture)		3,200	हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand)	10,900
(पुस्तक मूल्य ₹ 3,000) (Book value ₹ 3,000)			बैंक में रोकड़ (Cash at Bank)	30,000
		2,60,200		2,60,200

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता तैयार करें और निम्न समायोजनों के पश्चात इस तिथि को तुलन पत्र तैयार करें:

वर्ष 2017 - 18 के लिए अभी तक अप्राप्त चंदा ₹ 7,000 रक्षा बॉण्ड्स पर ₹ 7,000 ब्याज अप्राप्य है ₹ 1,000 का किराया बकाया है। विक्रय किये गये विनियोग का पुस्तक मूल्य ₹ 80,000 है, ₹ 30,000 के विनियोग अभी बाकी हैं। 2017 -18 में प्राप्त चंदे में ₹ 400 एक आजीवन सदस्य से प्राप्त शामिल है। 1 अप्रेल, 2017 को कुल फर्नीचर का मूल्य ₹ 12,000 है। 2018 - 19 के लिए ₹ 2,000 के वेतन का भुगतान किया गया है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर –

Books of Rohatgi Trust:

Income and Expenditure Account for the year ending on March 31,2018:

Dr. **Cr.**

Expenditure		Amount ₹	Income		Amount ₹
To Rent	6,000		By Subscription	83,000	
Add : Outstanding	1,000	7,000	*Add* : Outstanding for 2017-18	7,000	
To Salary 12,000				90,000	
Less : Advance for 2018-19	(2,000)	10,000	*Less* : Life Membership Fees	(400)	89,600
To Postage		300	By Interest Accrued on Defence Bonds		7,000
To Electricity Charges		6,000	By Profit on Sale of Investment (₹ 90,000 – ₹ 80,000)		10,000
To Help to Needy Students		22,000	By Profit on Sale of Furniture (₹ 3,200 – ₹ 3,000)		200
To Surplus (*Balancing Figure*)		63,500	By Interest on Investments		2,000
		1,08,800			1,08,800

Balance Sheet as on March 31, 2018:

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Advance Subscription		3,000	Subscription Outstanding		7,000
Rent Outstanding		1,000	Defence Bonds	1,50,000	
Capital Fund	2,01,000		*Add* : Accrued Interest on Defence Bonds	7,000	1,57,000
Add : Surplus	63,500		Investment		30,000
Add : Life Membership Fees	400	2,64,900	Advance Salaries		2,000
			Furniture	12,000	
			Add : Purchases	20,000	
				32,000	
			Less : Sales	(3,000)	29,000
			Books		3,000
			Cash in Hand		10,900
			Cash at Bank		30,000
		2,68,900			2,68,900

Working Note: Calculation of Opening Capital Fund:

Balance Sheet as on April 1, 2017:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capital Fund (*Balancing Figure*)	2,01,000	Subscription Outstanding	5,000
		Investments (₹ 80,000 + ₹ 30,000)	1,10,000
		Furniture	12,000
		Cash in Hand	14,000
		Cash at Bank	60,000
	2,01,000		2,01,000

प्रश्न 16 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए निम्न प्राप्ति एवं भुगतान खाता दिल्ली चेरिटेबल ट्रस्ट की रोकड़ पुस्तक से बनाया गया है:

नाम जमा

प्राप्तियाँ	राशि ₹	भुगतान	राशि ₹
शेष आ/ला (Balance b/d) :		दान (Charity)	11,500
हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand)	11,500	किराया और कर (Rent and Taxes)	3,200
बैंक में रोकड़ (Cash at Bank)	12,600	वेतन (Salary)	6,000
अनुदान (Donation)	9,000	छपाई (Printing)	600
चंदा (Subscription)	42,800	डाक (Postage)	300
वसीयत (Legacies)	18,000	विज्ञापन (Advertisements)	4,500
विनियोग पर ब्याज (Interest on Investment)	4,500	बीमा (Insurance)	2,000
		फर्नीचर (Furniture)	21,600
पुराने अखबार की बिक्री (Sale of Old Newspapers)	200	विनियोग (Investments)	23,000
		शेष आ/ला (Balance c/d) :	
		हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand)	9,900
		बैंक में रोकड़ (Cash at Bank)	16,000
	98,600		98,600

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता और इस तिथि को निम्न समायोजनों के पश्चात् तुलन पत्र तैयार करें :

(अ) यह निर्णय हुआ कि दान में प्राप्त राशि का 1/3 भाग आय माना जाएगा।

(ब) 3 महीने के बीच प्रीमियम का अग्रिम भुगतान किया हुआ है।

(स) विनियोग पर 1,100 अर्जित ब्याज अभी प्राप्त नहीं हुआ है।

(द) किराया ₹ 600, वेतन ₹ 900 और विज्ञापन व्यय ₹ 1,000, 31 मार्च, 2018 को बकाया है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर –

Books of Delhi Charitable Trust:

Income and Expenditure Account for the year ending on March 31, 2018

Expenditure.

Dr. **Cr.**

Expenditure		Amount ₹	Income		Amount ₹
To Insurance	2,000		By Donation {9,000 × (1/3)}		3,000
Less : Prepaid {2,000 × (3/15)}	(400)	1,600	Interest on Investments	4,500	
To Charity		11,500	*Add* : Accrued Interest	1,100	5,600
To Rent and Taxes	3,200		By Subscription		42,800
Add : Outstanding	600	3,800	By Sale of Old Newspapers		200
To Salary	6,000				
Add : Outstanding	900	6,900			
To Printing		600			
To Postage		300			
To Advertisements	4,500				
Add : Outstanding	1,000	5,500			
To Surplus (*Balancing Figure*)		21,400			
		51,600			51,600

Balance Sheet as on March 31, 2018:

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Capital Fund[1]	24,100		Prepaid Insurance {2,000 × (3/15)}		400
Add : Donation {9,000 × (2/3)}	6,000		Investment	23,000	
Add : Legacies	18,000		*Add* : Accrued Interest	1,100	24,100
Add : Surplus	21,400	69,500	Furniture		21,600
Rent Outstanding		600	Cash in Hand		9,900
Salary Outstanding		900	Cash at Bank		16,000
Advertisement Expenses Outstanding		1,000			
		72,000			72,000

Working Note: 1. Calculation of Opening Capital Fund :

Balance Sheet as on March 31, 2017:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capital Fund (*Balancing Figure*)	24,100	Cash in Hand	11,500
		Cash at Bank	12,600
	24,100		24,100

प्रश्न 17 एक क्लब के निम्न प्राप्ति एवं भुगतान खाते से 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता और इस तिथि को तुलन पत्र तैयार करें:

31 मार्च, 2018 को वर्ष की समाप्ति पर प्राप्ति एवं भुगतान खाता

नाम जमा

प्राप्तियाँ		राशि ₹	भुगतान	राशि ₹
शेष आ/ला (Balance b/d)		3,500	सामान्य व्यय (General Expenses)	900
चंदा (Subscription) :			वेतन (Salaries)	16,000
2016-2017	2,000		डाक (Postage)	1,300
2017-2018	70,000		बिजली व्यय (Electricity Charges)	7,800
2018-2019	3,000	75,000	फर्नीचर (Furniture)	26,500
पुरानी पुस्तकों की बिक्री (Sale of Old Books)		2,000	पुस्तकें (Books)	13,000
(लागत ₹ 3,200) (Costing ₹ 3,200)			अखबार (Newspapers)	600
हॉल के प्रयोग से किराया (Rent from use of Hall)		17,000	मीटिंग व्यय (Meeting Expenses)	7,200
अखबार की बिक्री (Sale of News-papers)		400	टी.वी. (T.V. Set)	16,000
मनोरंजन से लाभ (Profit from Entertainment)		7,300	शेष आ/ले (Balance c/d)	15,900
		1,05,200		1,05,200

अतिरिक्त सूचनाएँ:

(अ) क्लब में 100 सदस्य हैं। प्रत्येक सदस्य ₹ 900 वार्षिक चंदे का भुगतान करता है। 31 मार्च, 2017 को ₹3,600 अप्राप्त चंदा था।

(ब) 31 मार्च, 2018 को बकाया वेतन की राशि ₹ 1,000 है। वेतन के भुगतान में ₹ 1,000 वर्ष 2016 - 17 के शामिल हैं।

(स) 1 अप्रैल, 2017 को क्लब के पास भूमि और भवन ₹ 25,000, फर्नीचर ₹ 2,600 और पुस्तकें ₹6,200 की हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर –

Income and Expenditure Account for the year ending on March 31, 2018

Expenditure

Dr. **Cr.**

Expenditure		Amount ₹	Income		Amount ₹
To General Expenses		900	By Subscription	70,000	
To Salary	16,000		*Add* : Outstanding for 2017-18	20,000	90,000
Add : Outstanding for 2017-18	1,000		(100 members at ₹ 900 each)		
	17,000		By Rent from use of Hall		17,000
Less : Outstanding for 2016-17	(1,000)	16,000	By Sale of Old Newspapers		400
To Electricity Charges		7,800	By Profit from Entertainment		7,300
To Newspapers		600			
To Meeting Expenses		7,200			
To Postage		1,300			
To Surplus (*Balancing Figure*)		79,700			
		1,14,700			1,14,700

Balance Sheet as on March 31, 2018:

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Advance Subscription		3,000	Subscription Outstanding 2017-18	20,000	
Salary Outstanding		1,000	*Add* : 2016-17 (Still Outstanding) (3,600 – 2,000)	1,600	21,600
Capital Fund	39,900		Land and Building		25,000
Add : Surplus	79,700	1,19,600	Furniture	2,600	
			Add : Purchases	26,500	29,100
			Books	6,200	
			Add : Purchases	13,000	
				19,200	
			Less : Sales	3,200	16,000
			T.V. Set		16,000
			Cash at Bank		15,900
		1,23,600			1,23,600

Working Note: (1) Calculation of Opening Capital Fund:

Balance Sheet as on April 1, 2017:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Salary Outstanding	1,000	Subscription Outstanding	3,600
Capital Fund (*Balancing Figure*)	39,900	Furniture	2,600
		Books	6,200
		Cash at Bank	3,500
		Land and Building	25,000
	40,900		40,900

प्रश्न 18 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए वूमेन वेलफेयर क्लब का प्राप्ति एवं भुगतान खाता निम्न

31 मार्च, 2018 को वर्ष की समाप्ति पर प्राप्ति एवं भुगतान खाता

नाम जमा

प्राप्तियाँ	राशि ₹	भुगतान	राशि ₹
शेष आ/ला (Balance b/d)	7,250	वेतन (Salary)	12,500
चंदा (Subscriptions)	81,750	लेखन सामग्री (Stationery)	1,700
दान (Donations)	3,000	बिजली व्यय (Electricity Charges)	9,550
सरकार से अनुदान (Grant from Government)	15,000	बीमा (Insurance)	7,500
		औजार (Equipments)	30,000
अखबार की बिक्री (Sale of News-papers)	300	फुटकर व्यय (Petty Expenses)	500
		धर्मार्थ आयोजन पर खर्च (Expenses on Charity Show)	12,900
सहायतार्थ प्रदर्शन से प्राप्ति (Proceeds of Charity Show)	16,500	अखबार (Newspapers)	1,000
		प्रवक्ता शुल्क (Lectures Fee)	16,500
विनियोग पर ब्याज (Interest on Investments)	7,000	सचिव को सम्मानार्थ पारितोषिक	
(10% दर से पूरे वर्ष के लिए)		(Honorarium to Secretary)	12,000
(@ 10% for full year)		शेष आ/ले (Balance c/d)	27,050
विविध आय (Sundry Income)	400		
	1,31,200		1,31,200

अतिरिक्त सूचनाएँ:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

	1.4.2017 (₹)	31.3.2018
बकाया वेतन (Outstanding Salaries)	1,200	1,800
बीमा का अग्रिम भुगतान (Insurance Prepaid)	700	300
अप्राप्त चंदा (Subscription Outstanding)	3,750	2,500
अग्रिम प्राप्त चंदा (Subscription received in advance)	1,750	1,000
बकाया बिजली व्यय (Electricity charges Outstanding)	-	1,250
लेखन सामग्री का स्टॉक (Stock of Stationery)	2,250	700
औजार (Equipments)	25,600	50,200
भवन (Building)	1,20,000	1,14,000

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता और इस तिथि का तुलन पत्र तैयार करें।

उत्तर – Books of Women Welfare Club:

Income and Expenditure Account for the year ending on March 31, 2018:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Expenditure		Amount ₹	Income		Amount ₹
To Salary	12,500		By Subscriptions	81,750	
Add : O/s on 31.3.2018	1,800		*Add* : O/s on 31.3.2018	2,500	
	14,300			84,250	
Less : O/s on 1.4.2017	(1,200)	13,100	*Less* : O/s on 1.4.2017	(3,750)	
To Stationery	1,700			80,500	
Add : Opening Stock	2,250		*Add* : Advance on 1.4.2017	1,750	
	3,950		82,250		
Less : Closing Stock	(700)	3,250	*Less* : Advance on 31.3.2018	(1,000)	81,250
To Electricity Charges	9,550		By Donations		3,000
Add : O/s on 31.3.2018	1,250	10,800	By Grant from Government		15,000
To Insurance	7,500		By Sale of Newspapers		300
Add : Prepaid in 2016-17	700		By Profit from Charity Show (16,500 – 12,900)		3,600
	8,200		By Interest on Investments		7,000
Less : Prepaid in 2017-18	(300)	7,900	By Sundries Income		400
To Depreciation on Equipments		5,400			
To Petty Expenses		500			
To Newspapers		1,000			
To Lectures Fee		16,500			
To Honorarium to Secretary		12,000			
To Depreciation on Building		6,000			
To Surplus (Balancing Figure)		34,100			
		1,10,550			1,10,550

Balance Sheet as on March 31, 2018

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Outstanding Salaries		1,800	Equipments	25,600	
Subscription in Advance		1,000	*Add* : Purchases	30,000	
Electricity Charges Outstanding		1,250		55,600	
Capital Fund[1]	2,26,600		*Less* : Depreciation (*Balancing Figure*)	(5,400)	50,200
Add : Surplus	34,100	2,60,700	Insurance Prepaid		300
			Subscription Outstanding		2,500
			Stock of Stationery		700
			Building	1,20,000	
			Less : Depreciatiopn	(6,000)	1,14,000
			Cash at Bank		27,050
			Investments		70,000
		2,64,750			2,64,750

Working Note: (1) Calculation of Opening Capital Fund:

Balance Sheet as on April 1, 2017:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Outstanding Salaries	1,200	Insurance Prepaid	700
Subscription in Advance	1,750	Subscription Outstanding	3,750
Capital Fund (*Balancing Figure*)	2,26,600	Stock of Stationery	2,250
		Equipments	25,600
		Building	1,20,000
		Cash at Bank	7,250
		Investments {7,000 × (100/10)}	70,000
	2,29,550		2,29,550

प्रश्न 19 इण्डियन चार्टर्ड एकाउंटेंट्स रिक्रियेशन क्लब की पुस्तकों से लिए गए मार्च 31, 2018 के शेष नीचे दिए गए हैं। इन शेषों से आय एवं व्यय खाता एवं तुलन पत्र तैयार करें:

नाम शेष	राशि ₹	जमा शेष	राशि ₹
हस्तस्थ स्टॉक (Stock-in-hand)	1,170	प्राप्तियाँ (रेस्ट्रांट) (Receipts—Restaurant)	87,660
क्रय (Purchases)	24,660	अभिदान (Subscriptions)	9,450
रेस्ट्रांट व्यय (Dining Room Exp.)	32,370	बिलियर्ड प्राप्तियाँ (Billiard's Receipts)	7,300
किराया (Rent)	10,470	विविध प्राप्तियाँ (Sundry Receipts)	410
मजदूरी (Wages)	18,690	फिक्स्ड जमा राशि पर ब्याज (Interest on Fixed Deposit)	270
बनावट और नवीनीकरण (Repairs and Renewals)	5,400	विविध लेनदार (Sundry Creditors)	5,370
ऊर्जा (Light)	5,280	अनुदान (स्थायी) (General—Permanent)	42,000
फुटकर व्यय (Misc. Expenses)	4,050	आय एवं व्यय खाता (1.4.2017) (Income and Expenditure A/c)	1,380
हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand)	560		
बैंकस्थ रोकड़ (Cash at Bank)	2,760		
फिक्स्ड जमा राशि (Fixed Deposit)	8,500		
विविध देनदार (Sundry Debtors)	2,250		
रेस्ट्रांट सामग्री (Restaurant Goods)	600		
बिलियर्ड टेबल (Billiard Table)	2,070		
फिक्स्चर्स एवं फिटिंग्स (Fixtures and Fittings)	870		
फर्नीचर (Furniture)	4,140		
क्लब परिसर (Club Premises)	30,000		
	1,53,840		1,53,840

अतिरिक्त सूचनाएँ:

मार्च 31, 2018 को हस्तस्थ स्टॉक ₹ 960 था। ह्रास की राशि इस प्रकार रही:

(i) फिक्स्चर ₹ 60

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(ii) बिलियर्ड टेबल ₹ 390

(iii) फर्नीचर ₹ 560

उत्तर –

Income and Expenditure Account for the year ending on March 31, 2018:

Expenditure		Amount ₹	Income	Amount ₹
To Stock Consumed :			By Receipts from Restaurants	87,660
Stock-in-hand (Op.)	1,170		By Subscriptions	9,450
Add : Purchases	24,660		By Billiards Receipts	7,300
	25,830		By Sundry Receipts	410
Less : Stock-in-hand (Closing)	(960)	24,870	By Interest on Fixed Deposits	270
To Dining Room Expenses		32,370		
To Rent		10,470		
To Wages		18,690		
To Repairs and Renewals		5,400		
To Light		5,280		
To Misc. Expenses		4,050		
To Depreciation on :				
Fixtures and Fittings	60			
Billiard Table	390			
Furniture	560	1,010		
To Surplus (Excess of income over Expenditure)		2,950		
		1,05,090		1,05,090

Balance Sheet as on March 31, 2018:

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Sundry Creditors		5,370	Cash in Hand		560
Grant (Permanent)		42,000	Cash at Bank		2,760
Capital Fund (Income and Exp. A/c as on Apr. 1, 2017	1,380		Fixed Deposit		8,500
			Sundry Debtors		2,250
Add : Surplus	2,950	4,330	Restaurant Goods		600
			Billiard Table	2,070	
			Less : Depreciation	(390)	1,680
			Fixtures and Fittings	870	
			Less : Depreciation	(60)	810
			Furniture	4,140	
			Less : Depreciation	(560)	3,580
			Club Premises		30,000
			Stock in Hand		960
		51,700			51,700

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)